जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 317 प्रभात उदयपुर, सोमवार 18 सितम्बर, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कीनिया के सुम्बूरु लोगों का एक गांव है उमोजा, जहां सिर्फ महिलाएं रहती हैं। उमोजा महिलाओं की शरण स्थली है, कोई भी महिला यहाँ रह सकती है लेकिन, पुरुषों पर प्रतिबंध है। सुम्बूरु परंपरा के अनुसार मंगनी के बाद पुरुष अपनी मंगेतर को मनके भेंट करता है, जिससे वो अपने लिए हार बनाना शुरु कर दे। जितने अधिक सुंदर और अलंकृत मनके व उनसे बनने वाले हार होते हैं उतनी ही अधिक उसके पति की समृद्धि मानी जाती है। इन हारों को ''मपोरो'' कहते हैं। पर उमोजा गांव की महिलाओं के लिए यह हार शक्ति का प्रतीक है, क्योंकि, उन्हें अब इस हार के लिए किसी मर्द की जरुरत नहीं होती, ये महिलाएं खुद कमाती हैं और स्वयं ही अपने लिए मनके खरीदती हैं व हार बनाती हैं। सैन्ट्रल कीनिया के इस छोटे से गांव की स्थापना, चित्र में नज़र आ रही रिबैंका लोलोसोली ने की है। उसने दशकों पहले स्त्री-पुरुष समानता की लड़ाई शुरु की थी। उसे भी अपने पति से ''एम्पोरो'' मिला था। लेकिन विवाह के बाद पति के हाथों उसे भारी उत्पीड़न सहना पड़ा। वो बताती हैं, यहां पत्नी को पीटना मर्दानगी माना जाता है, ''मेरा पति भी मुझे पीटता था, लेकिन, मैंने जवाब दिया। मैंने महिलाओं से कहा कि हमें यह सब सहन नहीं करना चाहिए। इसलिए मुझे और पीटा गया, अंततः जब कोई विकल्प नहीं बचा तो मैंने घर छोड़ दिया।'' लोलोसोली की हिम्मत ने उसे ''उमोजा'' बसाने की प्रेरणा दी। उमोजा का स्वाहिली भाषा में अर्थ है ''एकता''। लोलोसोली ने 14 महिलाओं की मजबूत टीम के साथ शुरुआत की। उसका लक्ष्य था महिलाओं के लिए स्वायत्तता और आर्थिक आत्मनिर्भरता पाना। जल्दी ही इस गाँव के बारे में सब तरफ चर्चा फैल गई। पुरुषों की हिंसा से पीड़ित महिलाएं सुरक्षा के लिए दूर-दूर से यहां आने लगीं। आज उमोजा में 50 घर, बच्चों के लिए स्कूल और आधुनिक सैनिटरी सुविधाएं हैं। लोलोसोली कहती हैं, हमारा लक्ष्य है, ''हमें इतनी कमाई हो कि हम अपनी लड़कियों को उच्च शिक्षा के लिए भेज सकें।'' इस गांव को विभिन्न चैरिटी संस्थाओं से मदद मिलती है। इसके अलावा महिलाएं पारंपरिक नैक्लेस ''एम्पोरो'' बनाकर बेचती हैं, जिनकी कीमत 5 से 60 डॉलर तक होती है और इनसे अच्छी कमाई हो जाती है।

सी.डब्ल्यू.सी. की बैठक में दिल्ली व पंजाब के नेताओं ने आप से गठबंधन पर खुलकर विरोध जताया

अजय माकन और प्रताप सिंह बाजवा ने कहा, जिन राज्यों में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई है, वहां प्रचार करके भाजपा को आप सीधी मदद क्यों पहुँचा रही है

- **गौरतलब है कि, सोनिया गांधी ने सी.डब्ल्यू.सी. की बैठक शुरु होने से पहले यह बयान देकर स्पष्ट कर दिया है कि, कांग्रेस इण्डिया गठबंधन को कांग्रेस पूरी अहमियत देगी। गौरतलब है कि, सोनिया गांधी ने कहा है कि, सभी दलों को एकजुट होकर भाजपा का मुकाबला करना होगा।**
- **रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली और पंजाब के नेताओं की चिंताओं को ध्यान से सुना और उन्हें स्वीकार भी किया। हालांकि, उन्होंने पार्टी नेताओं का आश्वासन दिया कि, आगे कोई भी फैसला स्टेट यूनिट से बातचीत के बाद ही लिया जाएगा।**

हैदराबाद, 17 सितम्बर। इण्डिया गठबंधन में दलों के भीतर अलग-अलग राज्यों में सीटों का बंटवारा किस तरह से होगा, यह बड़ा सवाल है। कांग्रेस के लिए दिल्ली और पंजाब को लेकर यह मसला सिरदर्द बनता जा रहा है, जहां आम आदमी पार्टी कांग्रेस के लिए चुनौती बन सकती है। सोनिया गांधी ने हैदराबाद में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) की बैठक के पहले दिन इंडिया ब्लॉक को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, 2024 में बीजेपी के खिलाफ जीत के लिए एकजुट होकर चुनाव लड़ना जरूरी है।

सोनिया गांधी के बयान से साफ है कि, सोनिया गांधी गठबंधन की ताकत जानती हैं। 2004 में यू.पी.ए. गठबंधन ने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में अजेय माने जाने वाले नैशनलिस्ट डैमोक्रैटिक अलायंस को सत्ता से बाहर कर दिया था।

लेकिन वर्तमान में स्थिति उस समय से काफी भिन्न है, तब कांग्रेस लीड करने की स्थिति में थी। वह फैसले ले सकती थी और दूसरे दलों की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं को दबाने में भी सक्षम रही। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डी.एम.के.) और तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) जैसे क्षेत्रीय दल कांग्रेस के तहत काम करके खुश नजर आते थे। उस दौरान यू.पी.ए. के भीतर बगावती सुर कम ही सुनाई देते थे।

अब जब समय बदल गया है और क्षेत्रीय दलों की महत्वाकांक्षाएं भी बढ़ गई हैं। कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चिंता आप की बढ़ती ताकत है। दिल्ली बिल को लेकर कांग्रेस आलाकमान ने आप का साथ दिया था। इसके बावजूद की इस समर्थन को लेकर विरोध की आवाजें उठी थीं। साथ ही जो लोग ऐसे किसी भी गठबंधन के खिलाफ थे, आखिरकार उन्होंने भी इस निर्णय को स्वीकार कर लिया। हालांकि, सी.डब्ल्यू.सी. की बैठक में इस स्वीकृति पर मतभेद की बात सामने आई है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग के लिए हैदराबाद को इसलिए चुना गया क्योंकि पार्टी को यकीन है कि वह भारत राष्ट्र समिति को हरा सकती है। लेकिन, कांग्रेस गठबंधन को लेकर प्रतिबद्धता के बावजूद आप से असहमति की आवाज को नियंत्रित नहीं कर सकी।

पंजाब और दिल्ली के कुछ नेताओं ने यह मुद्दा उठाया। इनका कहना था कि आप पर भरोसा नहीं किया जा सकता। आप के साथ किसी भी गठबंधन के खिलाफ पुरजोर वकालत करने वाले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में खराब प्रदर्शन वाले कांग्रेस विधायकों के टिकट कटेंगे

सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में राजस्थान चुनाव में पार्टी की एकता पर जोर दिया गया

- **सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में मुख्यमंत्री गहलोत और सचिन पायलट को हाईकमान ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि, केवल आगामी चुनाव में सरकार को रिपीट करने पर फोकस करें, नेतृत्व का मुद्दा चुनाव परिणाम आने के बाद तय किया जायेगा।**

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 सितम्बर। हैदराबाद में दो दिवसीय सी.डब्ल्यु.सी. की मीटिंग के लिए एकत्रित हुए कांग्रेस नेतृत्व ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को निर्देश दिये हैं कि, वर्तमान में वे राज्य में सत्ता बरकरार रखने पर ध्यान केन्द्रित रखें तथा नेतृत्व का मुद्दा चुनाव परिणाम आने के बाद तय किया जायेगा।

पांच राज्यों, राजस्थान मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तेलंगाना तथा मिज़ोरम के शीघ्र होने वाले चुनावों पर विचार करने की प्रक्रिया में, कांग्रेस पार्टी की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च समिति में राजस्थान की चुनावी तैयारियों पर हुए गहन चिन्तन का सारांश यही है।

पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया कि, नेतृत्व ने राज्य इकाई से प्राप्त जानकारियों से मैदानी परिस्थितियों का आकलन किया है तथा यह माना जा रहा है कि, हालांकि गहलोत सरकार स्वयं तो एंटी-इन्कम्बेन्सी (सरकार विरोधी भावना) का ज्यादा सामना नहीं कर रही है परंतु, बहुत सारे विधायक हैं जो व्यक्तिगत एन्टी-इन्कम्बेन्सी का सामना कर रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, पार्टी इन प्रदर्शन-विहीन (काम नहीं करने वाले) विधायकों के बारे में बहुत चिन्तित है और इसे गंभीर मुद्दा मानती है। सूत्रों ने संकेत दिया है कि, राजस्थान के संदर्भ में इस बात पर काफी चर्चा हुई कि, इन विधायकों के टिकिट कटने की संभावना है।

राजस्थान में कांग्रेस के पक्ष में जो एक चीज़ है, वो है मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कल्याणकारी योजनाओं द्वारा सरकार के पक्ष में पैदा की गई भावनाएं। वो इन योजनाओं का लाभ जनता तक पहुँचाने में और इसका खूब प्रचार करने में सफल रहे हैं। अब, इसे पार्टी के लिए सकारात्मक रूप में देखा जा रहा है।

लेकिन नेतृत्व ने ना केवल एक साथ मिलकर लड़ने की बात पर जोर दिया है, जैसा कि इस समय दिखाई दे रहा है, बल्कि यह भी कहा है कि, राज्य के दोनों बड़े नेता, अशोक गहलोत व पायलट, आपस में लड़ रहे भाजपा के विभाजित गुटों जैसी भद्दी तस्वीर प्रस्तुत करने के विपरीत, एकता की तस्वीर प्रस्तुत करें।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बागीदौरा में 15 व बांसवाड़ा में 9 इंच बारिश

बांसवाड़ा, 17 सितम्बर (निसं)। जिले में रिमझिम मूसलाधार बारिश आफत बनती नजर आ रही है। शनिवार को हुई तेज वर्षा ने जन-जीवन अस्त-व्यत कर दिया। कई नदी-नाले उफान पर होने के चलते स्थिति हो गई है कई मार्ग अवरूद्ध हो चुके हैं।

बांसवाड़ा-उदयपुर मार्ग पर स्थित लसाडा पुल पर शाम छह बजे तक 12 से 13 फीट ऊपर पानी बहता नजर आया। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे नदी-नालों के पास नहीं जाएं। साथ ही टूटे बिजली के खंभे एवं तारों को देखते हुए सावधानी बरतें। इधर बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार बीते 24 घंटों में सबसे अधिक 15 इंच वर्षा बागीदौरा क्षेत्र में मापी गयी वहीं सबसे कम लोहारिया में दो इंच वर्षा

- **बांसवाड़ा-उदयपुर मार्ग पर स्थित लसाडा पुल पर शाम छह बजे तक 12 से 13 फीट ऊपर पानी बहता नजर आया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरपंच सहित तीन लोग नाले में बहे, तीनों की मौत

तीन किमी. दूर मिला सरपंच का शव, तीसरे का पता नहीं चला

- **बांसवाड़ा के माही डैम के सभी 16 गेट खोले, बेणेश्वर धाम टापू बना।**
- **गनोडा-साबला व लसाडा-माही पुल पर पानी की भी 15 फीट चादर चल रही है।**

बांसवाड़ा/डूंगरपुर (निसं)। आसमान से बरसी आफत की बरसात ने कुशलगढ़ क्षेत्र के तीन लोगों की जान ले ली इसमें एक सरपंच भी शामिल है। क्षेत्र में दो दिनों से भारी वर्षा के चलते तालाबों पर चादर चल रही है वहीं नदी नाले उफान पर है।

बांसवाड़ा के माही डैम के सभी 16 गेट खोलने के 12 घंटे बाद डूंगरपुर का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल बेणेश्वर धाम टापू बन गया है। धाम पहुंचने के तीनों पुलियों पर 15 से 20 फीट तक पानी बह रहा है। धाम पर मंदिर के पुजारी समेत 48 लोग फंसे हुए हैं। हालांकि सभी लोग सुरक्षित हैं और उनके ठहरने को लेकर भी धाम पर सभी व्यवस्थाएं हैं। वहीं, डूंगरपुर से बांसवाड़ा को जोड़ने वाले स्टेट हाईवे पर भी 15 फीट से ज्यादा पानी बह रहा है। जिससे दोनों ही शहरों का सड़क संपर्क टूट चुका है। धाम पहुंचने व बांसवाडा-डूंगरपुर-उदयपुर जिलों को जोड़ने वाले के साबला, वालाई और बांसवाडा पुल पर पानी का स्तर बढ़ ने लगा है। रविवार को पुल पर 15 से 20 फीट पानी चल रहा है।

बताया जाता है कि शनिवार शाम को डूंगरीपाडा पंचायत के 42 वर्षीय सरपंच दिनेश गरासिया पुत्र दला अपने घर नानीकासाथ से पंचायत भवन में रखी सीमेंट व्यवस्थित करने के लिये मोटर साईकिल लेकर घर से निकला था। घर से लगभग आधा किमी. दूर पंचायत भवन था लेकिन रास्ते में नाला था। देर रात तक दिनेश के घर नहीं लौटने पर परिवारजनों को संदेह हुआ तो उसके पुत्र राकेश ने पुलिस को सूचना दी। उपखंड अधिकारी रामलाल मीणा, तहसीलदार विरेन्द्र सिंह राठौड, पुलिस उप अधीक्षक रुपसिंह राठौड, सीआई रोहित कुमार घटना स्थल पर पहुंचे। इधर आपदा राहत दल भी घटनास्थल पर पहुंचा। पुलिस दल ने नानीकासाथ के पास के नालों में खोजबीन की। नाले से लगभग 200 मीटर दूर दिनेश की मोटर साईकिल देखी गयी। इसके बाद आस-पास सघनता से जांच की गयी तो लगभग तीन किमी. दूर वागल मंदिर से कुछ दूरी पर झाडियों में फंसा शव दिखाई दिया। उसकी पहचान दिनेश के रुप में की गयी। इसी तरह नगर से लगभग 16 किमी. दूर गांव भंवरकोट का अमर सिंह पुत्र हवसिंह डामोर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाटो अब तक का सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास शुरु करेगा

ब्रुसेल्स, 17 सितंबर (वार्ता)। नाटो शीत युद्ध के बाद 2024 में जर्मनी, पोलैंड और तीन बाल्टिक राज्यों में 'स्टीडफास्ट डिफेंडर' नामक अपना सबसे बड़ा अभ्यास आयोजित करेगा। सैन्य समिति के अध्यक्ष एडमिरल रॉब बाउर ने शनिवार को यह जानकारी दी।

- **सैन्य समिति के अध्यक्ष एडमिरल रॉब बाउर ने बताया कि, नाटो शीत युद्ध के बाद 2024 में जर्मनी, पोलैंड और तीन बाल्टिक राज्यों में ''स्टीडफास्ट डिफेंडर'' नामक अपना सबसे बड़ा अभ्यास आयोजित करेगा।**

नॉर्वेजियन सशस्त्र बलों के प्रमुख एरिक क्रिस्टोफरसन के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन बाउर ने कहा, 2024 में, गठबंधन शीत युद्ध के बाद से अपना सबसे बड़ा सामूहिक रक्षा अभ्यास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष और कांग्रेस संसद सत्र में महिला आरक्षण की मांग पुरजोर तरीके से पेश करेंगे

सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं और सी.डब्ल्यू.सी. की बैठक में कांग्रेस ने अपने इरादे जाहिर किये

- **कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने रविवार को सर्वदलीय बैठक के बाद यह जानकारी दी। सोमवार से लोकसभा का विशेष सत्र शुरू हो रहा है। इसको लेकर रविवार को सर्वदलीय बैठक हुई थी। इस बैठक में सभी विपक्षी दलों ने मांग की है कि संसद के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण विधेयक पेश किए जाने की मांग कुछ अन्य दलों ने भी की है। इन दलों में बी.जे.डी. और बी.आर.एस. का नाम शामिल है।**
- **संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पेश किए जाने की मांग कुछ अन्य दलों ने भी की है। इन दलों में बी.जे.डी. और बी.आर.एस. का नाम शामिल है।**

हैदराबाद, 17 सितंबर (वार्ता)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि कांग्रेस कार्य समिति (सी.डब्ल्यू.सी.) की मांग है कि संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक को पारित किया जाना चाहिए। रमेश ने कहा कि रविवार को हुई सी.डब्ल्य.सी. की बैठक में यह मांग की गई। संसद का विशेष सत्र 18 से 22 सितंबर तक चलेगा।

सोमवार से लोकसभा का विशेष सत्र शुरू हो रहा है। इसको लेकर रविवार को सर्वदलीय बैठक हुई थी। इस बैठक में सभी विपक्षी दलों ने मांग की है कि संसद के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण विधेयक पास कर दिया जाए। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने रविवार को सर्वदलीय बैठक के बाद यह जानकारी दी। एन.सी.पी. नेता और महाराष्ट्र में भाजपा के सहयोगी प्रफुल्ल पटेल ने बताया कि उनकी पार्टी ने भी सरकार से यही मांग रखी है।

पटेल ने बताया कि 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के मौके पर संसद को नए भवन में शिफ्ट किया जाएगा।

विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पेश किए जाने की मांग कुछ अन्य दलों ने भी की है। इन दलों में बी.जे.डी. और बी.आर.एस. का नाम शामिल है।

जयराम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, कांग्रेस पार्टी पिछले नौ वर्षों से मांग कर रही है कि महिला आरक्षण विधेयक पहले ही राज्यसभा में पारित है जिसे अब लोकसभा द्वारा भी पारित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने पहली बार मई 1989 में पंचायतों और नगर पालिकाओं में एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था। यह लोकसभा में पारित हो गया लेकिन सितंबर 1989 में राज्यसभा में प्रस्ताव गिर गया।

उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने अप्रैल 1993 में पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक फिर से पेश किया और विधेयक पारित हुआ तथा कानून बना। उन्होंने कहा कि अब पंचायतों और नगर पालिकाओं में 15 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। यह करीब 40 प्रतिशत है।

प्रधानमंत्री के रूप में, डॉ. मनमोहन सिंह संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाए।

विधेयक नौ मार्च 2010 को राज्यसभा में पारित हुआ। उन्होंने कहा, लेकिन इसे लोकसभा में पेश नहीं किया गया।

पाकिस्तानी ड्रोन ने पंजाब में 5.63 किलो हेरोइन गिराई

जालंधर, 17 सितंबर (वार्ता)। बी.एस.एफ. ने पिछले 24 घंटों दौरान पंजाब के सीमावर्ती जिलों से एक पाकिस्तानी ड्रोन और पांच किलो 630 ग्राम हेरोइन बरामद करने में सफलता हासिल की है।

- **बी.एस.एफ. के प्रवक्ता ने बताया कि, सुरक्षा बल के जवानों ने पंजाब के सीमावर्ती जिला तरनतारन के गांव टी जे सिंह के पास एक संदिग्ध ड्रोन की गतिविधि देखी, ड्रोन से 5.63 किलोग्राम हेराइन गिराई गयी।**

बी.एस.एफ. के प्रवक्ता ने बताया कि, सुरक्षा बल के जवानों ने शनिवार को जिला तरनतारन के गांव टी.जे. सिंह के पास एक संदिग्ध ड्रोन की गतिविधि को भांपते हुए उसे रोकने के लिए तुरंत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

चापलूसी का ज़हरीला प्याला आपको तब तक नुकसान नहीं पहुँचा सकता जब तक कि आपके कान उसे अमृत समझ कर पी न जाएँ।

–प्रेमचंद

बड़ी संपदा है ई-कचरा

वस्तुओं के उपभोग के मामले में पूरी दुनिया स्पष्टत: दो हिस्सों में बंटी हुई है। एक वह दुनिया है जिसे हर चीज़ नई और बेहतर चाहिए, और दूसरी वह दुनिया है जो उसके पास जो है उससे गहरा लगाव रखते हुए उसे ही बरतते रहना चाहती है। भारत में हम आम तौर पर एक कहावत जैसी उक्ति सुनते हैं –'दादा खरीदे, पोता बरते!' हम चीज़ों के साथ स्थायी रिश्ता बनाते हैं और उस रिश्ते की वजह से जब तक भी मुमकिन होता है उन्हीं पुरानी चीज़ों को बरतते रहते हैं। न केवल बरतते रहते हैं, इस बात पर गर्व भी करते हैं कि कोई चीज़ हमारे पास कितने समय से है! लेकिन इसी के बरक्स एक और दुनिया है जिसमें हर चीज़ पलक झपकते-झपकते ही पुरानी हो जाती है और उसे बरतने वाले उससे निजात पाकर उसी चीज़ के नए और बेहतर संस्करण को पाने के लिए लालायित हो उठते हैं। यह मानसिकता बहुत यत्न पूर्वक निर्मित की गई है।

आप पर चारों तरफ से होने वाले विज्ञापनों की बौछार आपको पुराने से छुटकारा पाने और नए को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। उत्पादक तरह-तरह की योजनाएं बनाकर आपको ललचाते हैं कि आप अपने पुराने उत्पाद से छुटकारा पाएं और नया ले लें। आखिर आप कितना बचेंगे उनके फैलाये जाल से! मोबाइल के नए मॉडल आ जाते हैं, घरेलू उपकरणों के पिछले रूपों में थोड़ा बदलाव कर उनके नए अवतार बाज़ार में आपको आवाज़ देते हैं, सॉफ्टवेयर और तकनीक के मामले में तो यह और भी अधिक होता है। किसी उपयोगिता से आपका ठीक काम चल रहा है लेकिन क्योंकि उसकी निर्माता कंपनी को आपकी जेब से पैसा खींचना है, वह उस उपयोगिता के लिए अपना तकनीकी समर्थन देना बंद करने की घोषणा कर देती है और आप विवश हो जाते हैं

नई उपयोगिता खरीदने के लिए। यही हार्डवेयर के मामले में भी होता है। मान लीजिए मेरे पास दस साल पहले खरीदा एक प्रिण्टर है। अब उसके लिए ड्राइवर (एक तरह का सॉफ्टवेयर) नहीं मिलता तो मुझे उस अच्छे भले और बढ़िया तरह से काम कर रहे प्रिण्टर को कबाड़े में डाल कर नया खरीदने के लिए मज़बूर होना पड़ता है। विभिन्न उत्पादों के निर्माता तरह-तरह के अभियान चलाकर आप पर एक मानसिक दबाव बनाते हैं कि आप पुराने उत्पाद को फेंक कर नया उत्पाद खरीदें। उनके द्वारा काम में ली गई युक्तियों का ही परिणाम होता है कि हममें से बहुत सारे लोग अपने अच्छी तरह से चल रहे उपकरणों आदि से लज्जित अनुभव करने लगते हैं और उन्हें फेंक-फांक कर नया उपकरण खरीदने को विवश हो जाते हैं। और यह सारी दुनिया में हो रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है।

बहुत बार ऐसा भी होता है कि विज्ञापनों आदि के दबाव में आकर आप नया उत्पाद खरीद लेते हैं लेकिन पुराने से पिण्ड छुड़ा नहीं पाते हैं। आप कोई नया मोबाइल, नया टीवी, नया लैप टॉप, या कोई भी और नया उत्पाद खरीद लेते हैं लेकिन पुराने वाले को फेंकने का भी मन नहीं करता।

इस तरह आपके घर में ही कबाड़ का ढेर बढ़ता जाता है। बहुत बार ऐसा भी होता है कि जिस उत्पाद की बजाय आपने नया उत्पाद खरीदा है वह भी चालू हालत में ही होता है। सत्या गुप्ता नामक एक अध्येता ने कुछ समय पहले एक सर्वेक्षण करवाया था, जिसमें भाग लेने वाले उत्तरदाताओं के पास औसतन चार मोबाइल थे जो चालू हालत में थे, लेकिन काम में नहीं लिए जा रहे थे। इधर इस कबाड़, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक कबाड़, को लेकर नई चेतना जगी है और लोग फिक्रमंद होने लगे हैं। इण्डियन सेलुलर एण्ड इलेक्ट्रॉनिक एसोसिएशन (आईसीईए) और एक नामी आईटी कम्पनी एसेंचर ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि भारतीय घरों में मोबाइल और लैपटॉप मिलाकर ऐसे बीस करोड़ साठ लाख उपकरण हैं जो बेकार पड़े हैं। इनका क्या किया जाए? अब आप चौंकने के लिए तैयार हो जाएं! विशेषज्ञों का कहना है कि यह कबाड़ असल में बहुत बड़ी संपदा है, अगर इसका ठीक से उपयोग किया जाए! हमारे घरों में ये जो बेकार मान लिए गए उपकरण पड़े हैं ये हमारे देश की समृद्धि के लिए बड़े सहायक साबित हो सकते हैं। इन उपकरणों को ई-कचरा कहा जाता है और अध्ययनों से पता चला है कि एक सर्कुलर इलेक्ट्रॉनिक्स बिज़नेस मॉडल को अपना कर सन 2035 तक इस कचरे से सात अरब डॉलर की कमाई की जा सकती है। अगर पब्लिक और प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल को अपनाया जाए तो यह कमाई बढ़कर बीस अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। सरल भाषा में बताएं तो सोच यह है कि कबाड़ मानकर तिरस्कृत कर दिए गए उन उपकरणों में से ज़्यादातर को थोड़ी बहुत देखभाल, सार संभाल या रिपेयरिंग से काम में आने योग्य बनाया जा सकता है और इनका अच्छी तरह से उपयोग किया जा सकता है। जो लोग इनको संवारने या दुरुस्त करने का काम करेंगे उन्हें रोज़गार मिलेगा और इस तरह बेरोज़गारी की जिस समस्या से हमारा देश जूझ रहा है उस समस्या को कम करने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों का कहना यह है कि भारत लैपटॉप, मोबाइल और इतर इलेक्ट्रॉनिक सामान के पुन: उपयोग, उसकी मरम्मत, उसे काम चलाऊ बनाने और उसे अद्यतन करने के काम का बहुत बड़ा बाज़ार बन सकता है। इन विशेषज्ञों के अनुसार यह सेक्टर कम से कम पचास लाख रोज़गार पैदा कर सकता है। जब विशेषज्ञ यह दावा कर रहे हैं तो उनके पास इसके लिए पर्याप्त तर्क भी हैं। उनका सोच यह है कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी के लिए प्रशिक्षित और काबिल तकनीशियनों और इंजीनियरों की बहुत बड़ी संख्या है और उनमें से बहुत सारे अभी रोज़गार के तलबगार हैं। अगर ठीक से योजना बनाकर काम किया जाए तो भारत विश्व का इलेक्ट्रॉनिक्स रिपेयरिंग डेस्टिनेशन बन सकता है। इस संभावना को इस बात से भी बल मिलता है कि दुनिया के बहुत सारे अन्य देशों की तुलना में भारत में मानवीय श्रम सस्ता है इसलिए अन्य देशों से भी उपकरण हमारे यहां रिपेयरिंग आदि के लिए आने लगेंगे।

विशेषज्ञों का कहना यह है कि भारत लैपटॉप, मोबाइल और इतर इलेक्ट्रॉनिक सामान के पुनः उपयोग, उसकी मरम्मत, उसे काम चलाऊ बनाने और उसे अद्यतन करने के काम का बहुत बड़ा बाज़ार बन सकता है। इन विशेषज्ञों के अनुसार यह सेक्टर कम से कम पचास लाख रोज़गार पैदा कर सकता है।

ऊपर हमने जिन सत्या गुप्ता को उद्धृत किया है वे एपिक फाउण्डेशन और वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष हैं। उनके अनुसार,; अगर हम अपने इलेक्ट्रॉनिक गैजेट की रिपेयरिंग करा कर इस्तेमाल करते हैं तो इकॉनॉमी में तीस फीसदी वैल्यू जोड़ते हैं। कहने का मतलब यह कि अगर हम तीन साल चल चुके किसी मोबाइल को रिपेयरिंग करवा कर एक साल और चलाते हैं तो तीस प्रतिशत विदेशी मुद्रा बचा सकते हैं। यह इसलिए कि अभी भी हमारे यहां ज़्यादातर मोबाइल और उनके पार्ट्स आयातित हैं। ऐसा करने से तैंतीस प्रतिशत ई-कचरा भी कम होगा।; उनके इस कथन को इस तथ्य से जोड़कर देखा जाना चाहिए कि हमारे देश में पैट्रोल और सोने के बाद सबसे ज़्यादा आयात इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का होता है। फरवरी 2021 से अप्रेल 2022 के बीच 550 अरब डॉलर के आयात बिल में अकेले इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की हिस्सेदारी 62.7 अरब डॉलर की थी। इसका मतलब यह हुआ कि अगर हम कबाड़ मान लिये गए उपकरणों का प्रयोग करते हैं तो न केवल बहुत सारे लोगों को रोज़गार मिलेगा, विदेशी मुद्रा भी बचेगी। इसमें एक बात और जुड़ जाती है और वह यह कि मोबाइल जैसे छोटे-से उपकरण में 14 धातुएं प्रयुक्त होती हैं और उनमें से अनेक बहुत कीमती और दुर्लभ होती हैं। उनमें से कम से कम आठ ऐसी हैं जिन्हें हमें आयात ही करना पड़ता है।

इस दिशा में हम अगर आगे बढ़ते हैं तो न केवल बचत करने और चीज़ों को बर्बाद न करने की भारतीय जीवन शैली का अनुकरण करेंगे, जो उपकरण किसी भी वजह से हमारे लिए अनुपयोगी हो गए हैं उन्हें काम चलाऊ बनाकर उन लोगों तक पहुंचा कर, जिनके पास पर्याप्त वित्तीय साधन नहीं हैं, उनकी भी सहायता करेंगे। लेकिन यह सब कहने में जितना आसान है, व्यवहार में उतना आसान नहीं है। एक बड़ी बात तो यही है कि अब ज़्यादातर उत्पादक ऐसे उत्पादन बनाने लगे हैं जिन्हें रिपेयर किया ही नहीं जा सकता है। ऐसे उत्पादकों को भी विश्वास में लेना और अगर ज़रूरत पड़े तो उन पर समुचित वैधानिक या अन्य तरह का दबाव बनाकर उन्हें रिपेयर होने योग्य उपकरण बनाने के लिए प्रेरित करना ज़रूरी होगा। उनके सहयोग के बिना यह योजना आगे नहीं बढ़ सकती। वैसे भारत सरकार ने एक पोर्टल बनाया है जो वारण्टी अवधि में उपकरणों अदि की रिपेयरिंग की सुविधा प्रदान करता है। अभी तक सत्रह बड़े ब्राण्ड इस पोर्टल पर आ चुके हैं।

लेकिन जब तक यह सारी योजना मूर्त रूप ले, हमें अपनी कामनाओं पर नियंत्रण करके अनावश्यक उत्पादों की खरीद की अपनी लालसा पर नियंत्रण करना होगा। यह देश और दुनिया के भविष्य के लिए बहुत ज़रूरी है।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

दशलक्षण धर्म : "आत्मा के स्वाभाविक धर्म"

भागचंद जैन

जैन धर्म का पर्वराज दशलक्षण धर्म पर्व की आज 19/09/2023 को उत्तम क्षमा धर्म से शुरुआत एवं क्षमा वाणी पर्व मनाने के साथ समापन

जैनधर्म एक अनादि, अनंत, शाश्वत धर्म है। जैन धर्म की शुरुआत इस अवसर्पिणि काल के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के पूर्व से है।

जैन धर्म के तीन मुख्य त्योहारों में 1) षोडश कारण भावना पर्व - भाद्रपद कृष्णा एकम से अश्विन कृष्णा एकम तक 31-32 दिनों तक मनाया जाता है। षोडश कारण भावना का पालन करने से तीर्थंकर प्रकृति का आश्रव (बंधन) होता है, 2) अष्टांहिका पर्व - यह भक्ति का पर्व है, यह वर्ष में तीन बार मनाई जाता है एवं 3) दशलक्षण धर्म पर्व - यह भी वर्ष में तीन बार आता है, लेकिन भाद्रपद में आने वाले इस पर्व को बढ़े ही भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है। इस दौरान आत्मा के दस धर्मों की विशेष आराधना करते है। दस धर्मों का पालन करना साधकों, तपस्वियों के लिए अनिवार्य है एवं श्रावकगण भी आत्म कल्याण के दश धर्मों का पालन करने की चेष्टा करते है।

दशलक्षण पर्व आत्मानुभूति का मार्ग प्रशस्त करता है, इसको पर्वराज भी कहा गया है। जैन धर्म में इस त्यौहार का महत्वपूर्ण स्थान है। यह पर्व जिनमंदिरो में विशेष पूजा एवं बड़े ही भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है। इस त्यौहार में जैन धर्मावलंबी सामान्यत: व्यापार एवं नौकरी से अवकाश पर रहते है। दिगंबर धर्म में 10 दिन तक चलने वाला यह पर्व इस वर्ष 19 सितंबर भाद्रपद शुक्ला चतुर्थी से प्रारंभ होकर 28 सितंबर - अनंत चतुर्दशी तक जारी रहेगा। इसी क्रम में अश्विन कृष्णा एकम, 30 सितंबर को क्षमावाणी पर्व मनाया जायेगा।

दशलक्षण धर्म पर्व जैसा की नाम से आभास होता है दस धर्मों की पूजा एवं पालना की जाती है। ये दस धर्म है - 1) उत्तम क्षमा, 2) उत्तम मार्दव, 3) उत्तम आर्जव, 4) उत्तम शौच, 5) उत्तम सत्य, 6) उत्तम संयम, 7) उत्तम तप, 8) उत्तम त्याग, 9) उत्तम आकिंचन एवं 10) उत्तम ब्रह्मचर्य का पालन कर आत्म शुद्धि की जाती है, आत्मानुशासन की और अग्रसर होते है। इन सभी दस धर्म के अंतर्गुण नाम से ही स्वत : स्पष्ट है। ये सभी दस धर्म एक दूसरे के पूरक है। किसी भी एक धर्म की पालना, साधना करने पर शेष सभी धर्म स्वत: आत्मसात हो जाते है एवं साधक के

जीवन का अंग बन जाते है।

इन दस दिनो के दौरान जैन धर्मावलंबी जिन अभिषेक, शांतिधारा, पूजा, पाठ, स्वाध्याय यथावत करते है। प्रति दिन नित्य नियम पूजा के साथ दसों दिन सभी दशलक्षण धर्मों की आराधना का विधान है किंतु महत्ता की दृष्टि से प्रत्येक दिन क्रमश: अलग-अलग धर्म के गुणों का विशेष वर्णन सूक्ष्मतम रूप में करने के साथ आत्मसात किया जाता है। दशलक्षण पर्व के दौरान जैन धर्म के मानने वाले साधना के मार्ग पर चलने हेतु व्रत, उपवास रखते है एवं इस अवधि में पूरी तरह सात्विक भोजन किया जाता है। बहुत से भक्त दस दिनों तक अन्न-जल ग्रहण ही नहीं करते है।श्रावकगण इस समय का सदुपयोग त्याग, तपस्या, आराधना और साधना का मार्ग अपना कर करते हैं। यह पर्व अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण करने, आत्मशुद्धि करने एवं कर्मो का क्षय कर मोक्षमार्ग प्रशस्त करने के लिए मनाया जाता है।

जैन धर्मावलंबी इस पर्व के दौरान स्वाध्याय में पूरा ध्यान लगाते है।

पर्व की अवधि में दिया गया दान का भी अपना महत्व है, सभी जैन धर्मावलंबी कुछ न कुछ दान देने का अभिप्राय अवश्य रखते है। दशलक्षण पर्व में व्यक्ति को अपने द्वारा किए बुरे कर्मों की निर्जरा करने एवम बुराई से दूर होने के लिए अवसर मिलता है। ये पर्व जीवो और जीने दो की राह पर चलने की प्रेरणा देता है। इस पर्व के अंत में अपने द्वारा की गई गलतियों पर विचार कर क्षमा मांगी जाती है। दश लक्षण पर्व आत्मशुद्धि का अवसर प्रदान करता है इसलिए इस दौरान पंच अणुव्रत / महाव्रत यथा अहिंसा अर्थात् किसी को दुख, कष्ट ना पहुंचाना, सत्य के मार्ग पर चलना, चोरी ना करना, ब्रह्मचर्य का पालन करना, परिठाह से दूर रहना, जैन धर्म के सिद्धांतों को रेखांकित करता है।

जीवन को सर्वोत्तम तरीके से जीने की कला सिखाने वाले दश लक्षणों को व्यवहार में उतारने का पर्व दशलक्षण महापर्व है। दश लक्षण धर्म में प्रथम धर्म उत्तम क्षमा धर्म है। क्ष अर्थात् क्षरण मा अर्थात् मान का। क्षमा में अपने अहम का अहंकार का का त्याग आवश्यक होता है। यह इसका मूल सिद्धांत है। कितने भी द्वेष, क्लेश, लडाई, झगड़े आदि का कारण अहंकार ही है। क्षमा करना, क्षमा मांगना दोनो ही क्षमा के गुण है। क्षमा के भाव अपना कर हम सभी मानव जीवन को स्वर्ग से भी सांसारिक तौर पर सुंदर, सुखी, आनंद की अनुभूति वाला बना सकते है एवम उसी के द्वारा हम जीवन मरण से छुटकारा पाकर मोक्ष मार्ग की और प्रशस्त सकते है।

क्षमा के ज्ञान हेतु क्रोध की चर्चा होना पूर्णत: मनोवैज्ञानिक है। क्रोध में व्यक्ति दूसरों के साथ स्वयं का भी बहुत नुकसान कर देता है। यह एक ऐसा जहर है जिसकी उत्पत्ति अज्ञानता से एवं अंत पश्चाताप से होता है। क्षमा भाव से हम परिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रव्यापी एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के झगड़े यहां तक की युद्ध भी समाप्त कर सकते है। हम अपनी जीवन यात्रा सुगम कर सकते है।

क्षमा से शारीरिक रोग दूर होते है एवम मानसिक शांति मिलती है। उल्लेखनीय है कि क्षमा धर्म या किसी भी धर्म पर जैन समाज का या किसी का भी कोई भी अधिकार नहीं है, कोई भी इसे अपनाकर अपना जीवन सार्थक बना सकते है। हां, यह जरूर है की जैन धर्मावलंबी क्षमा धर्म को उत्सव, पूजा, कर्म निर्जरा के रूप में प्रति वर्ष ही नही हर पल मनाता है। आज के परिपेक्ष्य में, विध्वंसकारी नीतियों के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय क्षमा दिवस मनाने की आवश्यकता है। विश्व शांति आपके अंत:स्थल पर अंकित होगी। इस तरह जैन धर्म के बताएं मार्ग पर चलकर विश्वशांति सुनिश्चित की जा सकती है। श्वेतांबर धर्मावलंबियों द्वारा इसे पर्युषण पर्व के रूप में 8 दिन तक, इस वर्ष 12 सितंबर से 19 सितंबर तक मनाया गया है।

–संकलन-भागचंद जैन,
अध्यक्ष जैन बैंकर्स फोरम,
जयपुर।

पुस्तक समीक्षा काव्य संग्रह : "बीच सफर में"

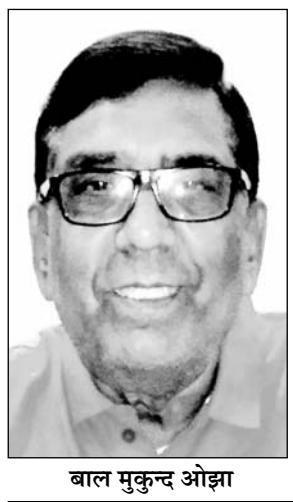

बाल मुकुन्द ओझा

देश और प्रदेश के सुविख्यात कवि, गीतकार, शायर और लघु कथाकार बनवारी शर्मा खामोश किसी परिचय के मोहताज़ नहीं है। दर्जनों प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित खामोश की 1976 से आकाशवाणी और दूरदर्शन से गीत, नज़्में कविताएं बहुतायत से प्रसारित हुई है। खामोश की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पत्र पत्रिकाओं में हजारों रचनाएं प्रकाशित हुई है। जीवन की सहज अनुभूतियों और संवेदनाओं को प्रकट करता उनका नवीनतम काव्य संग्रह बीच सफर में शीर्षक से हाल ही प्रकाशित होकर विमोचित हुआ है। बीच सफर उनका चौथा काव्य संकलन है। खामोश की कविताओं में जिंदगी के बहुत से रंग है। उन्होंने बहुत साफगोई से कविताओं में अपनी बात कही है। कविता संग्रह की कविताएं सहज ही आकर्षित करती है।

हिंदी साहित्य को समृद्ध बनाने में काव्य विधा के रचनाकारों का विशिष्ट योगदान रहा है। प्रस्तुत काव्य पुस्तक में प्रकृति और नैसर्गिक वातावरण को साधारण से शब्दों के माध्यम से संप्रेषित करना एक अनूठा प्रयोग है। निश्चय ही मन पर अमिट छाप छोड़ने वाली है खामोश की कविताएं। पुस्तक केवल कविताओं का ही नहीं बल्कि भावनाओं, संवेदनाओं और अभिव्यक्ति का भी सशक्त संग्रह है। इस संग्रह में कुल 46 कविताओं को शामिल किया है। सभी कविताएं हृदय को छूने वाली है। आशा है कि यह कविता संठाह पाठकों को पसंद आएगा।

बीच सफर काव्य संग्रह में अपनी कविता मत आना में जीवन के सतरंगी संघर्ष को बयां करते हुए कवि लिखते है-

मना किया है
कुछ यादों को
शाम ढले तुम मत आना।

महानगरीय संस्कृति पर कवि अपनी कविता ना भाई ना में लिखते है-

गांव को वापिस
जाते जाते
अपनापन क्यों
छोड़ गए ?
महानगर में
इसका कोई मोल नहीं है।

कवि ने समाज में फैली बुराइयों पर मैने शीर्षक कविता में इन शब्दों से हमला किया है -

झूठों में
सच्चे लोगों का
जिक्र किया मैने
मधुमक्खी के
छत्तें को यूँ ही
छेड़ दिया मैंने

शायद शीर्षक कविता को इन शब्दों में उकेरा -

बड़ी देर तक
सोच समझ कर
बात कही होगी
कड़वी सच्चाई
कहने में देर लगी होगी।

सियासत पर अपनी पेनी निगाह रखते हुए रखते हुए कवि लिखते है -

ये जो आज़ादी के
नग्मे गाने वाले है
फकत जुबानों के झंडे लहराने वाले है।

समीक्षक कृति : बीच सफ़र में।
कवि : बनवारी शर्मा खामोश
प्रकाशक : ज्योति पब्लिकेशन, बीकानेर।
पृष्ठ : 96
मूल्य : 250 रूपये

–बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

बाबा के जयकारों से गूंजी रामदेवरा नगरी

पोकरण/रामदेवरा, (निसं)। रामदेवरा में करोड़ों लोगों की आस्था के प्रतीक लोकदेवता बाबा रामदेव के 639वें भादवा मेले का शुभारंभ भादवा बीज रविवार को अलसुबह बाबा रामदेव की समाधि की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

रविवार अलसुबह जिला एवं सत्र न्यायाधीश पूरणमल शर्मा, जिला कलेक्टर आशीष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान एवं गादीपति राव भोमसिंह तंवर ने बाबा रामदेवजी की समाधि का पंचामृत से अभिषेक कर उनकी विधिवत पूजा अर्चना की। इस दौरान समाधि पर नई चादर चढ़ाई गई। साथ ही विभिन्न पुष्पमालाओं से समाधि का श्रृंगार किया गया। बाबा को मेवा मिष्ठान एवं मिश्री का भोग लगाया गया। अतिथियों ने बाबा की समाधि पर चंवर ढुलाया तथा बाबा की जोत के दर्शन किए। पुजारियों द्वारा अतिथियों को बाबा का प्रसाद दिया गया व पवित्र झारी का जल आचमन करवाया गया। सभी अतिथियों ने बाबा रामदेव जी की समाधि की पूजा-अर्चना कर देश में अमन, चैन एवं खुशहाली की मंगल कामना की। मंगला आरती के अवसर पर मंदिर के प्रवेश द्वार के खुलते ही बाबा के भक्तजनों ने बाबा के जयकारे लगाते हुए बड़े उत्साह के साथ मंदिर में प्रवेश किया। जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। सभी भक्त बाबा की समाधि के दर्शन कर अपने आप को धन्य महसूस कर रहे थे। पूरी रामदेवरा नगरी बाबा रामदेव के भक्तों से भरी हुई है। प्रशासन की व्यवस्थाओं के बाद भी बाबा के भक्तों की पांच किलोमीटर से भी लम्बी लम्बी कतारें लगी है। वहीं प्रशासन द्वारा छाया व पानी कि उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को दर्द सहना पड़ रहा है। जिला कलेक्टर आशीष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे भक्तों की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध रखें एवं मॉनिटरिंग करते रहें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सफाई, बिजली एवं पानी की व्यवस्थाओं को सुचारू रखने की बात भी कही। साथ ही सभी अधिकारियों को टीम भावना से काम करने के निर्देश दिए। ,

इस अवसर पर सरपंच समंदर सिंह तंवर, उपखंड अधिकारी गोपाल परिहार, भणियाणा उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश, बीडीओ किशोर कुमार सहित पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारी और मंदिर समिति के सदस्य उपस्थित थे।

रामेदवरा में बाबा रामदेवजी की दूज पर भक्तों ने दर्शन किये।

- **लोकदेवता बाबा रामदेवजी के 639वें भादवा मेले का शुभारंभ**

वर्षा नहीं होने से फसलों को नुकसान पहुंचा

सादुलपुर, (निसं)। उपखंड के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में अगस्त महीने में मानसून लगभग शुष्क रहा। वही जुलाई महीने में लहरा रही फसलें अगस्त में मानसून का ब्रेक होने के कारण लंबे अंतराल के बाद भी वर्षा नहीं होने से मूंग, चवलां व दल्हन की फसलों में काफी नुकसान पहुंचा। मगर अब बीते एक-दो दिनों में मानसून क्षेत्र में सक्रिय है। हालांकि रविवार को कई जगहों पर बरसात हुई है। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में लोग लावणी कटाई में लगे हुए हैं। हर दिन बूंदाबांदी आंधी, तुफान से लावणी कटाई में खासा असर देखने को मिल रहा है। बदले मौसम के चलते किसानों की चिंता की लकीरें दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। कर्ज लेकर की गई खेती मानसून कमजोर रहने तथा अब आंधी-तूफान की मार के कारण पैदावार औसत कम होने के कारण घर खर्च चलाना भी बहुत मुसीबतमय हो गया है। उपखंड के भाकरां गांव के समाजसेवी किसान नेतराम मेहरा का कहना है कि हर साल मौसम की मार के कारण किसानों की कमर टूटती जा रही है। सरकार की तरफ से किसानों के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाये जा रहे हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 18 सितम्बर, 2023

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2080, चित्रा नक्षत्र दिन 12:08 तक, ऐन्द्रयन योग रात्रि 4:23 तक, गर करण दिन 12:40 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग दिन 12:08 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 1:12 से मंगलवार दिन 1:44 तक है। आज हरितालिका निषेद है। चन्द्रस्त जयपुर में रात्रि 8:21 पर होगा। आज रोट तीज (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय 7:48 तक, शुभ 9:14 से 10:50 तक, चर 1:52 से 3:23 तक, लाभ-अमृत 3:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:17, सूर्यास्त 6:25

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त हो सकते हैं। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक आयोजन हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में सामाजिक-शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

कन्या

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। घर-परिवार के कार्यों के लिए भागदौड़ बनी रहेगी।

तुला

मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

धनु

आर्थिक/वित्तीय मामलों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक मामलों में आज लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

सार-समाचार

कार्यकारिणी घोषित

मंडफिया, (निसं)। राजस्थान ब्राह्मण महासभा की भदेसर तहसील कार्यकारिणी की घोषणा हुई। महासभा के संरक्षक एसडी शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम जैमिनी व चित्तौड़गढ़ जिलाध्यक्ष पंडित राकेश शास्त्री की अनुशंसा पर भदेसर तहसील अध्यक्ष उमेश तिवारी सांवलियाजी ने भदेसर तहसील की नवनियुक्त कार्यकारिणी की घोषणा की। महासभा की नवीन कार्यकारिणी में सतीश जोशी भदेसर को राजस्थान ब्राह्मण महासभा युवा तहसील अध्यक्ष, रोहित शर्मा भादसोड़ा को परशुराम सेना तहसील अध्यक्ष, रवि शर्मा सांवलियाजी व महेश मेनारिया भदेसर को महामंत्री, अरुण कुमार दाधीच, सुधीर तिवारी व सांवरकुमार ओझा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पुरण शर्मा बानसेन, अनिल शर्मा सांवलियाजी, नवीन तिवारी सांवलियाजी, चंद्रप्रकाश आमेटा भादसोड़ा व नारायण शर्मा टोकरिया धनेत को उपाध्यक्ष, रविकांत शर्मा सांवलियाजी व चेतन शर्मा नपानिया को संयुक्त मंत्री, पवन तिवारी पुत्र भगवानलाल तिवारी सांवलियाजी को प्रचार प्रसार मंत्री, सतीश शर्मा, प्रहलाद शर्मा टोकरिया धनेत, ललित बालोटिया सांवलियाजी, गौरव शर्मा सांवलियाजी, आशीष दाधीच सांवलियाजी, सन्नी शर्मा सांवलियाजी, कालूलाल शर्मा टांडी खेड़ा, मुकेश सुखवाल पोटला कलां, मुकेश खंडेलवाल चरलिया, गौरव शर्मा करोली, अनिल पुरोहित कुरेठा, गिरीश जोशी सांवलियाजी, पुष्कर मेनारिया आवरीमाता, कमलेश भट्ट भदेसर, नारायण जोशी कन्नौज तथा अंकित सुखवाल भदेसर को कार्यकारिणी सदस्य के पद पर नियुक्त किया गया। राजस्थान ब्राह्मण महासभा भदेसर तहसील कार्यकारिणी की घोषणा होने पर तहसील क्षेत्र के ब्राह्मण समाज में हर्ष का माहौल है।

कबड्डी प्रतियोगिता में परचम लहराया

कपासन, (निसं)।67वीं ब्लाक स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में महेश ज्ञान मंदिर के छात्रों ने परचम लहराया।महेश शिक्षा समिति के निर्देशन में संचालित महेश ज्ञान मंदिर उ.मा. वि. के पांच छात्रों का चयन जिला स्तर पर हुआ। संस्था प्रधान डा.कमलेश मीणा ने बताया कि विद्यालय की अंडर 17 छात्रों की टीम ने वर्तमान में चल रही ब्लॉक स्तरीय कब्बडी प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ब्लाक की उपविजेता टीम बनी। प्रतियोगिता का आयोजन 13 सितंबर से 15 सितंबर के बीच दामाखेड़ा, मॉडल स्कूल में किया गया था। टीम प्रभारी राजमल बारेठ के निर्देशन में गयी टीम का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा एवं विद्यालय के पाँच छात्रों दीपक जाट, युवराज जाट, कन्हैयालाल सेन, सुमित जॉट एवं प्रेम वैष्णव का चयन जिला स्तर पर हुआ। सभी छात्र एवं चयनित टीम 24 से 27 सितम्बर तक रा.उ.मा. वि. लालास में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिता में टीम प्रभारी वरिष्ठ शारीरिक राजमल बारेठ के नेतृत्व में भाग लेगी। प्रधानाचार्य कमलेश मीणा एवं समस्त शिक्षक गणों ने छात्रों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ एवं बधाई दी है।

करंट से महिला की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के वरदा थाना क्षेत्र के सेलज उटा फला गांव में एक महिला को करंट लगने से मौत होने का मामला सामने आया है। जानकारी अनुसार सेलज उटा फला निवासी जीवराम डूंगर रोत ने पुलिस को रिपोर्ट देकर बताया की रविवार सुबह को मेरी पत्नी राजू देवी घर पर काम कर रही थी। इस दौरान घर के पास ही पशु घर में पशुओ को बांध रखा था। राजू देवी घर का काम करते करते पशु घर में गई। जहा पर घर का बिजली कनेक्शन वायर लटका हुआ था। वायर के चपेट राजू देवी आ जाने से राजूदेवी को करंट लगा। जिससे वह बेहोश होकर नीचे गिर गई। जिसे परिवार के लोगो निजी वाहन की मदद से डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचे। जहा डॉक्टरों ने जांच के बाद राजुदेवी मृत घोषित कर दिया। जिसका शव जिला अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया। रिपोर्ट में बताया की राजू देवी की मौत करंट लगने से हुई है। शव का पुलिस ने पोर्टमार्टम करवा शव परिजनो को सुपुर्द किया।

धरना प्रदर्शन स्थगित

मंडफिया, (निसं)। श्री सांवलिया जी मंदिर संविदा कर्मचारी एकता यूनियन मंडफिया ने हड़ताल धरना प्रदर्शन स्थगित कर दिया है। संविदा कर्मचारी एकता यूनियन के अध्यक्ष अशोक तिवारी ने बताया कि 16 सितंबर को कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर श्री सांवलिया जी मंदिर बोर्ड एवं मंदिर प्रशासन को 24 घंटे में मांगों का निराकरण करने हेतु ज्ञापन था। मांगे पूरी नहीं होने की स्थिति में आंदोलन करने हेतु चेतावनी दी थी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मंदिर प्रशासन द्वारा ठोस आश्वासन दिए जाने पर एवं आगामी जलझूलनी एकादशी मेले को देखते हुए संविदा कर्मचारियों ने हड़ताल धरना प्रदर्शन स्थगित कर दिया है।

बाल अपचारी डिटेन

उदयपुर, (निसं)। आपसी रंजिश के चलते युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला करने वाले विधी से संघर्षरत बाल अपचारी को पुलिस ने डिटेन कर बाल सम्प्रेषण गृह भिजवाया। प्रकरण के अनुसार पीडित लोकेश पुत्र रमेश चन्द्र सोनी निवासी डबोक ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। कि 15 सितंबर रात में माउन्ट ब्ल्यू स्कूल के समीप नाकोड़ा नगर निवासी अजयराजसिंह, मनीष, शैलेन्द्र प्रतापसिंह व साथियों ने चाकू से हमला कर मेरे भाई चिराग सोनी (19) को घायल कर फरार हो गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक भूवन भूषण यादव के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनन्त कुमार, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी हिमांशुसिंह राजावत के नेतृत्व में एसआई भीमाराम मय टीम ने मामले में विधी से संघर्षरत एक बाल अपचारी को डिटेन कर न्यायालय में पेश कर उसे सम्प्रेषण गृह भिजवाया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि चीराग व यश गुप्ता के बीच गत दिनों मारपीट हुई थी। इसको लेकर समझौता करने के लिए चिराग के बुलावे पर यश अपने साथियों के साथ गया था। जहां उसी बात को लेकर कहासूनी होने पर चाकू से हमला कर आरोपी फरार हो गए थे।

पीएम के जन्मदिन पर मनाया सेवा सप्ताह

डूंगरपुर। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को भारतीय जनता पार्टी सेवा सप्ताह के रूप के मना रही है। इसी कार्यक्रम के तहत रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा तपस मंदबुद्धि विद्यायल में फल वितरण किया गया। साथ ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल पटेल द्वारा संस्था को पंखे भेंट किये गये। कार्यक्रम में महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष राजकुमारी प्रजापत, नगीनलाल जैन, नानू भाई पंवार, दिनेश चौबीसा, किरणेश्वर, हर्ष शर्मा, नीलू रोत्त, नयन सुथार सहित तपस संस्थान के अध्यापक उपस्थित थे।

106 करोड़ 37 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण

राजसमन्द, (निसं)। रविवार का दिन राजसमन्द जिले को कई सौगातें दे गया। अपने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को लेकर प्रतिबद्ध विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी पी जोशी ने कोठारिया पहुंच कर रविवार को जिले को 106 करोड़ 37 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान उनका भव्य स्वागत करने आमजन भी उमड़ पड़े। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. जोशी ने अपने वक्तव्य में विकास कार्यों से मिलने वाले लाभ पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को लेकर प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कार्यक्रम में बालिका शिक्षा को सर्वाधिक महत्वपूर्ण बताया।सहायक अभियंता श्याम सुंदर शर्मा ने बताया कि डॉ. जोशी ने यहां 1 करोड़ रुपए की लागत से बने खेल स्टेडियम कोठारिया-ब का, 1.45 करोड़ रुपए के राउमावि कोठारिया के भवन, 1.80 करोड़ रुपए के महात्मा गांधी अंठोजी आध्यम राउमावि कोठारिया के नवीन भवन, 80 लाख रुपए की लागत के कोठारिया से करजियाघाटी तक डामरीकरण कार्य, 25 करोड़ रुपए की लागत के महाराणा प्रताप आधुनिक खेल स्टेडियम का लोकार्पण किया।इसके साथ ही 80 लाख रुपए के बाघेरी चिकलवास पुनर्गठन परियोजना के अन्तर्गत खोखाढाणी यादव बस्ती में पानी की टंकी, पाइप लाइन एवं कुआं निर्माण, 15 लाख रुपए के सीसी सडक मय नाली निर्माण कार्य पथवारी चौराहे से एकबलदिया तक, 15 लाख रुपए के चारदीवारी निर्माण कार्य पुलिस चौकी कोठारिया, 8 लाख रुपए के सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य रंगोडियाजी बावजी के पास कोठारिया, 5 लाख रुपए के सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य सदर बाजार कोठरिया, 6 लाख रुपए की लागत के स्नानघर निर्माण कार्य गणगौर घाट एंव राजघाट श्मशान घाट कोठारिया का लोकार्पण किया।

ऐसे ही 6 लाख रुपए की लागत के छत मरम्मत कार्य राजकीय विद्यालय बडलावाला, खोखाढाणी एवं मोडवा, 10 लाख रुपए की लागत के स्व हेतु सीसी सडक मय नाली निर्माण शिरवियों की भागल कोठारिया-ब, 5 लाख रुपए की लागत के स्व हेतु सीसी सडक मय नाली निर्माण ब्राह्मण बस्ती, 3 लाख रुपए की लागत के रा.प्रा.वि. के पास सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य मोडवा, 3 लाख रुपए की लागत के रा.उ.मा.वि के सामने सामुदायिक स्नानघर निर्माण कार्य, 3 लाख की लागत के सामुदायिक स्नानघर निर्माण कार्य पथवारी चौराहे के पास, 3 रुपए लाख की लागत के सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य कल्लाखेडी पाटिया कोठारिया-ब, 20 लाख रुपए की लागत के सम्पूर्ण ठाम पंचायत में नहर मरम्मत कार्य का लोकार्पण किया।

इसके अलावा 50 लाख रुपए की लागत के सिचाई नहर के दोनों तरफ पक्की सडक निर्माण कार्य, 60 करोड़ रुपए की लागत के सरस डेयरी प्लान्ट निर्माण कार्य कोठारिया चक-ब, 7 करोड़ रुपए की लागत के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत, भुमि आवंटन एवं सुविधायुक्त नवीन भवन निर्माण तथा 7 करोड़ रुपए की लागत के जल जीवन मिशन अन्तर्गत 3 नवीन टंकी एवं 2 कुएं का निर्माण तथा सम्पूर्ण ठाम पंचायत में घर-घर नल कनेक्शन का लोकार्पण कर लोगों को सौगात दी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी पी जोशी ने विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

सार-समाचार

खाटूश्याम बाबा का दरबार सजाया

उदयपुर, (कासं)। श्री अग्रवाल वैष्णव समाज द्वारा रविवार को खाटूश्याम की भजन संध्या से अग्रसेन जयंती मनाने का आगाज किया गया। खाटू श्यामजी की भजन संध्या में नीमच से आये कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी।संयोजक कृष्णकांत व राजकुमार अग्रवाल ने बताया की भजन संध्या में बाबा के दरबार को विविध प्रकार के फूलों से सजाया गया।भक्ति संध्या में कलाकारों द्वारा गाए मेरे सर पर रख दो हाथ... दीनानाथ...कीर्तन की है रात बाबा ... मोर छडी लहराई रे...जैसे भजनों पर भक्त खूब झूमे।सचिव दिनेश बंसल ने बताया कि नीमच के गायक अशरफ भाई व दीपक अरोरा ने सभी को नाचने के लिए मजबूर कर दिया।अग्रवाल समाज की श्याम भक्त इशिता अग्रवाल ने अपने भजनों से समा बांध दिया। बाबा को विभिन्न प्रकार के छप्पन भोग का प्रसाद समाज की तरफ से धराया गया। इस अवसर पर अग्रवाल वैष्णव समाज की तरफ से परसादी का आयोजन भी किया गया। अग्रसेन जयंती महोत्सव के मुख्य संयोजक संजय अग्रवाल व राकेश गर्ग ने बताया की खाटूश्याम भजन संध्या से शुरुआत करते हुए अगले एक माह तक विभिन्न प्रकार के आयोजन किये जाएंगे।महिला व पुरुष कार्यकारिणी द्वारा आगामी एक माह तक अग्रसेन जयंती पूरे उत्साह के साथ मनाई जाएगी।

फर्जी खातेदार गिरफ्तार

उदयपुर, 17 सितंबर। शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने फर्जी खातेदार बन कर दूसरे की जमीन बेच कर पीडित से धोखाधडी करने वाले को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 10 जुलाई 2023 को पीडित मेघसिंह ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि राजस्व ठाम लई का गुडा पटवार हल्का बडी बडगांव मे मेरी खाते की जमीन है। 13 जून 2023 को मेरी मौजूदगी एवं जानकारी के बिना मेरे ही नाम के अज्ञात व्यक्ति ने जमीन को बेच दिया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक भूवन भूषण यादव के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर अनन्त कुमार, पुलिस उप अधीक्षक चांदमल सिंगारिया के सुपरविजन में अम्बामाता थानाधिकारी डॉ.हनवंतसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में एएसआई नरेन्द्रसिंह मय टीम ने जसवंतसिंह उर्फ पप्सा पुत्र उदयसिंह देवड़ा निवासी जवालिया थाना आमेट राजसमंद को डिटेन कर पूछताछ बाद गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने विक्रय इकरार पर नकली मेघसिंह बनकर फर्जी हस्ताक्षर कर बदलेमें 19 हजार रूपये प्राप्त करना स्वीकार किया। इस मामले में पूर्व में हितेश रावल उर्फ हित रावल, शुभम वालोट, धीरेन्द्र पाटीदार, विरेन्द्र उर्फ गोलु व रतनसिंह राजपूत को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी जसवंतसिंह के खिलाफ पूर्व में एनडीपीएस एक्ट का मामला भादसौड़ा चित्तोड़गढ पुलिस थाने में दर्ज है।

हमले में रेस्टोरेंट संचालक घायल

उदयपुर, 17 सितंबर। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में आपसी कहसूनी के दौरान कार में सवार आरोपियों ने हमला कर स्कूटी सवार को घायल किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्रम्हपुरी कानोड़ हॉल मेघा आवास योजना रकमपुरा निवासी महेन्दसिंह चौहान पुत्र रणजीतसिंह चौहान पर विक्रमसिंह, दर्शनसिंह व साथी हमला कर घायल कर फरार हो गए। 15 सितंबर को महेन्दसिंह देबारी स्थित अपना रेस्टोरेंट बंद कर वापस घर लोट रहा था। जहां बीच रास्ते रकमपुरा रोड़ पर रात में स्कूटी टकराने पर कार में सवार विक्रमसिंह व साथियों ने हमला कर दिया।

हिस्ट्रीशीटर सहित तीन गिरफ्तार

उदयपुर,(कासं)। रेस्टोरेंट संचालक पर तलवार से प्राणघातक हमला करने वाले हिस्ट्रीशिटर सहित तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

16 सितंबर को पीडित शादान खान ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरे रेस्टोरेंट पांजी बाईट चेतक सर्कल पर स्टाफ व मेरे पार्टनर इम्तियाज के साथ बाहर खड़ा था। इस दौरान कस्टमर की कार को टक्कर मारने पर अन्य कार में सवार मजिद उर्फ मच्छी और लक्का व साथी से पूछताछ की तो गाली गालोज कर चले गए। रात में माजिद लक्का, तोसीफ उर्फ मोटा, सलमान हिंगोडी व दोअन्य व्यक्ति ऑटों में आए तलवार से हमला कर दिया। जिससे मजिद व साथी इम्तियाज, रेहान अली पर हमला कर फरार हो गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक भूवन भूषण यादव के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनन्त कुमार, पुलिस उप अधीक्षक चांदमल सगिारिया के सुपरविजन में हाथीपोल थानाधिकारी दलपतसिंह , स्पेशल टीम से यागेश कुमार मय टीम ने आरोपी माजिद , तोसिफ तथा शोएब अलाको गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त हथियार जब्त किए।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एक अनोखी पहल : शेखावत

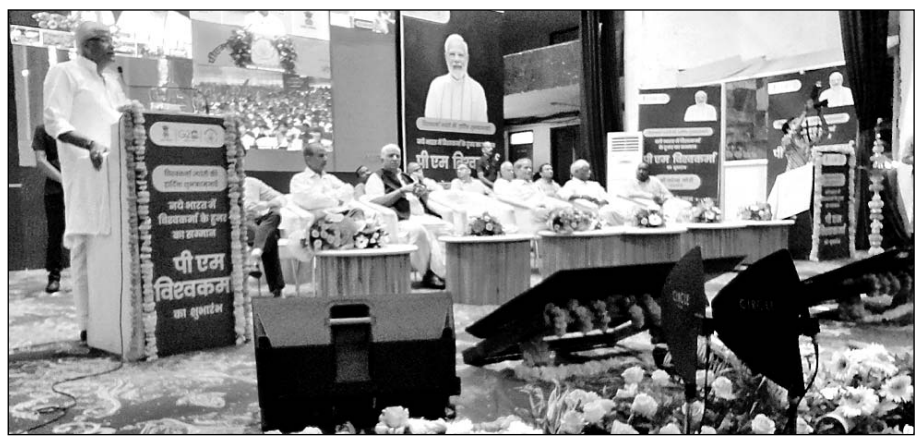

सुखाडिया रंगमंच पर आयोजित कार्यक्रम को जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने संबोधित किया।

उदयपुर, (कासं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ किया । इस अवसर पर उदयपुर में सुखाडिया रंगमंच पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना ग्रामीण और शहरी भारत के पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को समर्थन देने के लिए यह एक अनूठी योजना है । शिल्पकारों की रचना और प्रवीणता को प्रोत्साहित करते हुए किस तरह उनको और उन्नत करने तथा उनके लिए रोजगार के नए अवसरों का सृजन करने के लिए इस नई योजना का सूत्रपात हुआ है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों ने अपने हाथ की कला, अपनी दक्षता और प्रवीणता से भारत की पहचान पूरे विश्व भर में स्थापित की है। योजना के तहत पहली बार मैं 18 पारंपरिक व्यापार को शामिल किया गया है ।

नगर कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

डूंगरपुर। रविवार कोशहर के मुरला गणेश मंदिर में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना की बैठक संभाग अध्यक्ष रणजीत सिंह जी फतेहपुरा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह मेडतिया करण सिंह चुडयिा वाडा क्षत्रिय युवा सेवा संस्थान के अध्यक्ष विरेन्द्र सिंह चौहान के नेतृत्व में आयोजित हुई जिसमें करणी सेना डूंगरपुर की नगर कार्यकारणी का विस्तार किया गया।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन मूल्यांकन प्राधिकरण राजस्थान के पत्र क्रमांक F1/(4)SEIAA/SEAC-Raj/Sectt/Project/Cat.1(a) B2 (17211)/2019-20,जयपुर दिनांक 10/11/2020 के अनुसार श्री लख्मी चंन्द्र जाट पुत्र श्री फकीर चंद्र जाट एंव सह-आवेदक कारूलाल जाट पुत्र श्री नेतराम जाट निवासी ग्राम जलोदिया केलुखेडा तह.छोटी सादडी जिला- प्रतापगढ़ (राज.) के पक्ष में निकट ग्राम जलोदिया केलुखेडा तह.छोटी सादड़ी व जिला प्रतापगढ़ (राज.) में स्थित रेड ऑकर एम.एल.नं.14/2018, खसरा नं. 563,564,565 कि उत्पादन क्षमता 40000TPA (ROM) क्षेत्रफल 1.5718 हैक्टर में खनन हेतु पर्यावरण स्वीकृति जारी की गई है। पर्यावरण स्वीकृति की प्रति SEIAA, Jaipur राजस्थान तथा प्रदूषण नियंत्रण मण्डल कार्यालय में जनसाधारण के लिए उपलब्ध है एवं बोर्ड की वेबसाईट www.rspcb.nic.in पर भी देखी जा सकती है।

लख्मी चंन्द्र जाट

स्नेह मिलन समारोह आयोजित

भीम। राजस्थान भाट समाज महासभा नरवर दिवेर कलवाराक्षेत्र उप शाखा अहमदाबाद, रावत महासभा गुर्जर समाज ,सालवी समाज, आदि के गुजरात प्रवासियों का स्नेह मिलन समारोह विधायक सुदर्शनसिंह रावत के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलवारा अध्यक्ष राधेश्याम रूपावत ने की। विशिष्ट अतिथि नरवर दिवेर महासभा अध्यक्ष ओमप्रकाश अड़ात, पूर्व अध्यक्ष मीठालाल गिरदावर, मंगरा अध्यक्ष रमेश कविया, युवा अध्यक्ष राजू गोरमात, कांठोस जिला उपाध्यक्ष प्रभुदयाल नागर, सालवी समाज अहमदाबाद अध्यक्ष हजारीलाल उपाध्यक्ष वनराज, खुमानचंद,हामेला की वेर सरपंच राकेश कुमार सालवी , बरजाल सरपंच सुरेशसिंह, महाराणा प्रताप मंडल अध्यक्ष उदयसिंह,वेणसिह , महेंद्रसिंह देवगढ़ मंडल अध्यक्ष हीरालाल गुर्जर मंदारिया सरपंच अंबालाल गुर्जर,मदनलाल भोगरात, हीरालाल गोरमात महामंत्री मांगीलाल मोरचना, पूर्व थानेदार हेमराज, प्रतापलाल रूपावत, बबलू कुमार भरतकन्हैयालाल, चिमनलाल,पुनाराम रामावत मदनलाल देवड़ा, आदि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सुदर्शन सिंह रावत ने कहा कि राजस्थान के प्रवासी लोगों ने अहमदाबाद गुजरात में अपना कौशल विकास दिखाते हुए राजस्थान का नाम रोशन किया है। गुजरात प्रवासियों पर मुझे गर्व है कि अपना गांव ,घर ,परिवार, परिवार से दूर रहकर भी कड़ी मेहनत एवं लग्न से रोजगार के क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम रखे हुए हैं। मैं प्रत्येक वर्ग की समस्याओं के समाधान हेतु संकल्पित हु। निसंकोच रूप से मुझे अपनी समस्याओं से अवगत कराये। इस अवसर पर युवा समाज सेवी हीरालाल गोरमात, मुकेश कुमार भाट, रमेश कुमार रामावत बबलू रुपावत. भगू कविराज भट्ट डॉ विशाल खोखरियात, गोविंद लाल,गोवलियात, गोपाल लाल,दिलीप रामावत,प्रकाशलाल गोरमात पुनम रामावत महेंद्र कुमार गोरमात, देवीलाल दीपचंद रूपावत,गोपीलाल चेतन खोखरियात सुरेश कुमार, लक्ष्मणलाल गोपाल लाल, प्यारेलाल जयंतीलाल, राजेश कुमार, नरेंद्र सिंह महेंद्र सिंह उदय सिंह खुमार चंद आदि सहित सैकड़ो की संख्या में महिला पुरुष समाजबंधु उपस्थित थे।

चन्द्रयान 3: क्रमागम उन्नति पर वार्ता का हुआ आयोजन

उदयपुर, (कासं)। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय, विज्ञान समिति एवं डॉ. दौलत सिंह कोठारी शोध एवं शिक्षा संस्थान की ओर से प्रतापनगर स्थित आईटी सभागार में चन्द्रयान 3: क्रमागम उन्नित पर वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें भारत की चन्द्रयान की यात्रा को वरिष्ठ वैज्ञानिका, जी एवं समूह निदेशक, ग्रह और भूविज्ञान समूह के डॉ. आशुतोष आर्य, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एसजी सेंसर विभाग, अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र ईसरों के डॉ. हरीश सेठ ने चन्द्रयान की विकास यात्रा को प्रोजेक्टर के प्रजेनटेशन के माध्यम से विधार्थियों केा बताया और उनके मन में उपजे प्रश्नो एवं जिज्ञासाओं को शांत किया।

उन्होंने कहा कि क्रमागत विकास की उन्नित के कारण ही आज इंसानों की एक कॉम्पलेक्स लाइफ फॉर्म हुई। इसमें ऑक्सीजन का बहुत बड़ा योगदान है। हमारे सोचने के तरीकों से लेकर हमारी बनावट और बाकी चीजों में क्रमागत उन्नित ही काम कर रही है। आज के समय क्रमागत उन्नित के विकास ने हमारी मेधा को उस स्तर पर पहुंचा दिया है, जहां हम खुद अंतरिक्ष में यात्रा कर सकते हैं और सुदूर अंतरिक्ष में सफर करने वाले वॉयजर जैसे यान भी भेज चुके हैं। यही नहीं अब तो चांद, मंगल और कई दूसरे उपठाहों को कॉलोनाइज करने की योजना बनाई जा रही है। एक समय पृथ्वी पर कॉम्पलेक्स लाइफ फॉर्म करने में जिस साइनोबैक्टीरिया ने बड़ी भूमिका निभाई थी। अब चांद और मंगल ग्रह को कॉलोनाइज करने में इसकी काफी ज्यादा जरूरत हम लोगों को है। नासा साल 2025 में अपने आर्टेमिस मिशन के अंतर्गत चांद के दक्षिणी ध्रूव पर इंसानों को उतारने जा रहा है। ऐसे में इस सेलेस्टियल बॉडी को कॉलोनाइज करने में साइनोबैक्टीरिया का एक अहम किरदार होगा। कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि दुनिया भर में भारत के चंद्रायन-3 मिशन की सफलता के लिए प्रशंसा मिल रही है चांद पर ऐतिहासिक लैंडिंग की दुनिया भर में व्यापक रूप से प्रशंसा है बहुत कम लोग जानते हैं कि चंद्रयान-3 को यह नाम कैसे मिला उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि साल की शुरुआत में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो के अध्यक्ष श्रीधर सोमनाथ ने कहा था कि संस्कृत में लिखा गया भारतीय साहित्य अपने मूल और दार्शनिक रूप में बेहद समृद्ध है यह वैज्ञानिक रूप में भी महत्वपूर्ण है उन्होंने कहा कि प्राचीन भाषा की संरचना और वाक्य विन्यास इसे वैज्ञानिक विचारों और प्रक्रियाओं को दर्शाने के लिए आदर्श बनाते हैं।

आईटी सभागार में चन्द्रयान 3: क्रमागम उन्नित पर वार्ता का आयोजन किया गया

मेडल प्राप्त कर झूम उठे खिलाडी

उदयपुर, 17 सितम्बरराजस्थान रोलर स्केटिंग फेडरेशन के निर्देश पर उदयपुर स्केट एसोसिएशन द्वारा जिला स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ।

उदयपुर स्केटिंग एसोसिएशन के जिला सचिव कपिल सुराणा ने बताया कि उदयपुर में आयोजित जिला स्तरीय स्केटिंग चैंपियनशिप का रविवार को सीपीएस स्कूल में समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिताओं में 242 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में कुल 3 अलग अलग रेस का आयोजन किया गया जिसमे प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे प्रतिभागियों को कार्यक्रम आयोजित कर जिला खेल अधिकारी अजीत जैन, सीपीएस स्कूल डायरेक्टर अलका शर्मा, अनिल शर्मा, पूनम राठौड द्वारा पुरस्कृत किया गया। समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला खेल अधिकारी ने विजेता खिलाडियों का आव्हान किया कि उदयपुर से धनुर्धर लिंबा राम जैसे खिलाडी ने पूरे विश्व में अपना और उदयपुर का नाम रोशन किया था। इस खिलाडी ने छोटे से गांव से निकलकर पूरे विश्व में परचम फहराया इसलिए हमें किसी भी तरह से घबराना नहीं है और कठिन से कठिन अभ्यास करते हुए मंजिल को हासिल करना है।

जिला स्तरीय स्पीड स्केटिंग चैम्पियन शिप आयोजिक सचिव अंजलि सुराणा ने बताया कि उदयपुर स्केटिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में दूसरी बार इस स्केटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया। उदयपुर में वर्षों से कई बच्चे स्केटिंग में अपना भाग्य आजमा रहे हैं लेकिन कोई प्रतियोगिता का आयोजन नहीं होने के कारण वह अपना प्रदर्शन नहीं कर सकते थे, ऐसे खिलाडीयो को मंच उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से उदयपुर में ही इस प्रतियोगिता का आयोजन किया ।

कार्यालय ग्राम पंचायत करावली, जिला सलूम्बर (राज.)

क्रमांक:-ग्रामल/निविदा/2023-24/SPL-40 दिनांक-15.09.2023

-: ई निविदा सूचना - 40/2023-24 :-

ग्राम पंचायत करावली पंचायत समिति सलूम्बर के ग्राम पंचायत करावली में निर्माण कार्यो में सामग्री आपुर्ति हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी विस्तृत जानकारी कार्यालय से कार्यालय समय पर एवं विभागीय साईट पर sppp.rajasthan. gov.in & eproc. rajasthan. gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

NIB NO	ZUD2324A0846
UBN NO	ZUD2324GLOB00973

सरपंच, ग्राम पंचायत करावली — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत करावली

कार्यालय ग्राम पंचायत खरका, जिला सलूम्बर (राज.)

क्रमांक:-ग्रामल/निविदा/2023-24/SPL-18 दिनांक-15.09.2023

-: ई निविदा सूचना - 39/2023-24 :-

ग्राम पंचायत खरका पंचायत समिति सलूम्बर के ग्राम पंचायत खरका में निर्माण कार्यो में सामग्री आपुर्ति हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी विस्तृत जानकारी कार्यालय से कार्यालय समय पर एवं विभागीय साईट पर sppp.rajasthan. gov.in & eproc. rajasthan. gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

NIB NO	ZUD2324A0845
UBN NO	ZUD2324GLOB00972

सरपंच, ग्राम पंचायत खरका — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत खरका

जवाई बांध के छह गेट एक-एक फीट खोले, जवाई नदी में हुई पानी की आवक

रविवार को पाली शहर समेत जिलेभर में बारिश का दौर जारी रहा, जो कभी रिमझिम तो बहुत तेज रहा

जालोर/पाली, (कासं)। पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े जवाई बांध के छह गेट एक-एक फीट खोले। इस पानी की आवक से जानमाल का नुकसान न हो, इस संबंध में जिला कलेक्टर ने जालोर, आहोर एवं सायला उपखंड अधिकारियों, विकास अधिकारियों, तहसीलदारों, थानाधिकारियों एवं कार्मिकों को अलर्ट रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

वहीं रविवार को जवाई नदी में पानी की आवक होने पर जवाई नदी पर लोगों की भीड़ नजर आई। जालोर जिले में मौसम विभाग द्वारा भारी बरसात की चेतावनी एवं जिले में लगातार हो रही बरसात को देखते हुए जिला कलेक्टर निशांत जैन के निर्देशानुसार सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केंद्र पर सोमवार 18 सितंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी भैराराम चौधरी ने बताया कि विद्यालय में विद्यार्थियों के अतिरिक्त शेष कार्मिक विद्यालय समय में निर्धारित समय के अनुसार उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे

- **कलेक्टर ने जालोर, आहोर एवं सायला उपखंड अधिकारियों, विकास अधिकारियों, तहसीलदारों, थाना अधिकारियों एवं कार्मिकों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए**
- **सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केंद्र पर सोमवार 18 सितंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया**

जिला कलेक्टर निशान्त जैन ने आपात स्थिति से निपटने को लेकर वैकल्पिक आवास, भोजन इत्यादि व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया है कि एसडीएम, तहसीलदार,विकास अधिकारी, पुलिस अधिकारियों, पटवारी,सहित कार्मिकों को अलर्ट रहने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने जवाई बांध से छोड़े जा रहे पानी से प्रभावित होने वाले नदी के किनारे के लोगों को सतर्क करने के साथ-साथ मवेशियों को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर जान माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस संबंध में आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करते हुए लोगों को जागरूक करने के साथ पब्लिक एड्रेस सिस्टम द्वारा प्रचार प्रसार एवं सतत संपर्क एवं समन्वय के साथ कार्य करने की बात कही। जालोर उपखंड अधिकारी प्रमोद सीरवी, आहोर उपखंड अधिकारी कुसुम लता चौहान एवं सायला उपखंड अधिकारी ताराचंद वेंकटेश ने भी जवाई बांध में पानी छोड़े जाने पर जान-माल की सुरक्षा को लेकर आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने के साथ ही आमजन से जवाई नदी के बहाव क्षेत्र से दूर रहने की बात कही। उन्होंने जवाई नदी के बीच में से गुजरने वाले रास्तों से आवागमन नहीं करने, विद्यार्थियों को नदी के बहाव क्षेत्र से दूर रहने, मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर रखने की बात कही।

रविवार को पाली शहर समेत जिले पर में बारिश का दौर जारी रहा, जो सुबह से ही रिमझिम बहुत तेज बारिश के कारण मौसम सुहाना बन गया और शहर की सड़कों पर पानी भर गया। जवाई बांध कैचमेंट एरिया में भारी बारिश की वजह से रविवार दोपहर को कुल मिलाकर 6 गेट खोलने पड़े, जिनमें एक-एक फीट की चादर चल रही है। जवाई नदी का वेग बढ़ गया है।

बरसात से कटी फसलों में हो रहा नुकसान, किसान परेशान

बीदासर, (निसं)। कस्बे व आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही बरसात से किसानों की पकी हुई व काटी हुई फसलें बर्बाद हो रही हैं जिससे क्षेत्र के किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है तथा बरसात से किसान दुखी हो रहे हैं। किसानों ने बताया कि कर्ज लेकर बुआई की थी लेकिन इस बार समय पर बरसात न होने से फसले चौपट हो गई।

- **समय पर बरसात न होने से मोठ, मूंग, बाजरी की फसल पहले ही सूख गई थी**

अब लोगों से लिया हुआ कर्ज चुकाना भी मुश्किल है। अनेक किसानों ने अपने खेतों में बाजरे की लावणी (कटाई) कर ली है, लावणी की गई बाजरे की फसल जमीन पर पड़ी है। खेतों मे बरसात का पानी भर जाने से कड़बी खराब होने के साथ-साथ बाजरा सिट्टो में काला पड़ रहा है। निकटवर्ती गाँव साण्डवा के किसान पं. सीताराम सारस्वत, ओमप्रकाश दायमा और साण्डवा रोही के रूपाराम खिचड़ ने बताया कि समय पर बरसात न होने के कारण मोठ, मूंग, बाजरी की फसल पहले ही सूख गई तथा काटी गई फसले बेमौसम की बरसात से नष्ट हो गई है।

वहीं मूंगफली की फसल भी किसानों ने काट ली है उनको नुकसान हो रहा है। जिन किसानों ने फसले नहीं काटी है उनके लिये बरसात फायदेमंद है। वहीं कस्बे में शाम 4.30 बजे आसमान में काली घटाओं के साथ बादल छा गये और 10 मिनट तक हल्की बरसात हुई। जिससे मुख्य मार्गों पर बरसाती पानी से किचड़ ही किचड़ हो गया। देर रात तक रूक-रूक कर हल्की बुदांबादी का दौर जारी रहा।

बारिश के कारण खराब हो रही फसल दिखाता किसान।

बरसात से खेतों में फसलें हुई चौपट

सुजानगढ़, (निसं)। चरला ग्राम पंचायत के पास स्थित कोडासर जाटान व बिदावतान की कांकड में स्थित खेतों में किसानों की खड़ी फसलें चौपट हो गयी है। रविवार को भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष बी.एल भाटी ने किसानों के खेतों में जाकर खराबे का जायजा लिया। किसान पीथाराम ने बताया कि दो माह तक गांवों में बारिश नहीं हुई जिस कारण फसलों को भरपूर मात्रा में पानी नहीं मिल पाया।

किसान रूपाराम ने बताया कि सावण माह सूखा बितने के कारण उनकी फसलें तैयार नहीं हो पाई। किसानों ने बताया कि गांवों में समय पर बिजली नहीं आने के कारण भी फसलों को समय पर पानीं नहीं दिया गया। क्षेत्र में दो दिन से हो रही बारिश से भी किसानों की मूंगफली फसल काली नजर आयी। इसके अलावा बाजरा, मूंग, मोठ की फसलें भी पूर्णतया चौपट हो गयी है।

ग्रामीणों ने पटवारी, गिरदावर पर बिना मौका देखे रिपोर्ट करने का आरोप लगाया। अत्यधिक खराबा होने के बाद भी प्रशासन व जनप्रतिनिधियों द्वारा किसानों द्वारा सुध नहीं लेने के कारण किसानों में आक्रोश देखने को मिला। इस अवसर पर बीएल भाटी ने किसानों को आश्वसत किया कि वे उनकी मांग को उठाकर किसानों को मुआवजा दिलाने का प्रयास करेंगे।

गजेंद्र सिंह पैदा भी नहीं हुए थे, तब से मैं राजनीति में हूं : सूर्यकान्ता व्यास

विधायक व्यास ने शेखावत के उस बयान के जवाब में यह बात कही जिसमें शेखावत ने व्यास को लेकर बचपन में लौटने की बात कही थी

जोधपुर, (कासं)। सूरसागर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक सूर्यकांता व्यास ने रविवार को कहा कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पैदा भी नहीं हुए थे, तब से मैं राजनीति में हूं। व्यास ने शेखावत के उस बयान के जवाब में यह बात कही जिसमें शेखावत ने सूर्यकान्ता व्यास को लेकर बचपन लौटने की बात कही थी।

जानकारी के अनुसार सूर्यकान्ता व्यास ने 12 सितबंर को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तुलना राजा-महाराजाओं से करते हुए उन्हें लोकप्रिय नेता बताया था। इसके बाद केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था कि सूर्यकान्ता व्यास 90 साल के करीब हो गई है, मुंशी प्रेमचंद ने एक कहानी में कहा है कि बुढ़ापे में बचपना लौट आता है। शेखावत के इस बयान पर सूर्यकान्ता व्यास ने रविवार को पलटवार किया। रविवार को वे एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मीडिया से मुखातिब हुईं।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की जितनी उम्र नहीं है उससे ज्यादा साल मैंने पार्टी में बिताए हैं। फिर भी वे मेरे पुत्र के समान हैं, जो बात उन्होंने बोली है, शायद उनको शोभा देती होगी।

- **व्यास ने कहा कि फिर भी वे मेरे पुत्र के समान हैं, जो बात उन्होंने बोली है, शायद उनको शोभा देती होगी**
- **'भाजपा ने मुझ पर भरोसा जताया है और मैंने भाजपा पर, इस बार भाजपा की सरकार बनाएंगे'**

उन्होंने कहा कि वो मेरे लड़के के बराबर है, जो गजेंद्र सिंह कह रहे हैं वह अच्छा है। यह तो उनको सोचना चाहिए। वे केंद्रीय मंत्री हैं, उनको यह बात तो सोचनी चाहिए, अगर उनको यह बात शोभा देती है तो ठीक है। मेरे बारे में मेरा बेटा शिव कुमार बोल जाए तो मैं किसको बोलूं। विधानसभा चुनाव की तैयारी के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि जोरदार तैयारी चल रही है। मैं इलेक्शन लड़ूंगी और डंके की चोट पर लड़ूंगी। भाजपा ने मुझ पर भरोसा जताया है और मैंने भाजपा पर, इस बार भाजपा की सरकार बनाएंगे।

कांग्रेस और भाजपा दोनों में सम्मान मिलने की बात पर कहा कि कोई अगर मुझे सम्मान देता है तो मना तो नहीं कर सकते। सम्मान देने का मतलब है कि वह संस्कारित है। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी तो मेरे पैरों के हाथ लगाते हैं। इसका मतलब है कि उनमें संस्कार हैं। सीपी जोशी ने जैसे ही पदभार संभाला था और यहां आए तो पैरों के हाथ लगाया था। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने और कांग्रेस में शामिल होने के सवाल पर कहा कि ऐसी कभी कोई बात नहीं हुई और न ही वह ऐसी बात कभी कर सकते हैं। मैं फिर चुनाव लड़ूंगी और जीतूंगी, जब तक जिंदा हूं लड़ती रहूंगी।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा में परबतसर में पत्रकारों से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा था कि कैलाश मेघवाल और सूर्यकांता व्यास दोनों की उम्र अब 90 के करीब पहुंच गई है। यह मैं नहीं कह रहा प्रेमचंदजी ने अपनी एक स्टोरी में लिखा था बुढ़ापा बहुदा बचपन की पुनरावृत्ति होती है और बचपन में ऐसी गलतियां हो जाती हैं। जानकारी के अनुसर कुछ दिन पहले सूरसागर विधायक सूर्यकांता व्यास ने पुष्करणा समाज की कुलदेवी उष्ट्र वाहिनी देवी मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए मुख्यमंत्री द्वारा 4. 75 करोड़ का बजट जारी करने के बाद कहा था राजस्थान के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुष्करणा समाज के लिए ऐसा काम किया है जो पहले के जमाने में राजा महाराजा करते थे या अब सीएम ने किया है।

एक साल तक जेल में रहेगा गैंगस्टर रोहित गोदारा का खास गुर्गा हरिओम

बीकानेर, (निसं)। गैंगस्टर रोहित गोदारा का खास गुर्गा एवं गंगाशहर थाने का हिस्ट्रीशीटर हरिओम रामावत अब एक साल तक जेल की सलाखों के पीछे रहेगा। जिला पुलिस ने उसे पिछले दिनों राजपासा एक्ट में निरुद्ध कर बीकानेर केन्द्रीय कारागार भिजवाया था। पुलिस की इस कार्रवाई पर राजस्थान उच्च न्यायालय की सलाहकार समिति ने अंतिम मुहर लगा दी है। पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरिओम पर लूट, डकैती, हत्या के प्रयास फिरौती मांगने जैसे 15 संगीन प्रकरण दर्ज हैं। हरिओम की राजू ठेहट एवं सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के आरोपियों से निजी दोस्ती रही है। जयपुर के प्रकरण में भी वांछित था।

- **पुलिस ने उसे पिछले दिनों राजपासा एक्ट में निरुद्ध कर बीकानेर केन्द्रीय कारागार भिजवाया था**
- **हरिओम की राजू ठेहट एवं सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के आरोपियों से निजी दोस्ती रही है**

गौरतलब है कि बीकानेर रेंज में गुंडा एक्ट में 400 इस्तगासे पेश कर 23 बदमाशों को जिलाबदर कराया जा चुका है।

पुलिस के अनुसार वर्ष 2016 में हिस्ट्रीशीटर सलमान भुट्टो के खिलाफ राजपासा में निरुद्ध करने की कार्रवाई की गई लेकिन हाईकोर्ट से अनुमति नहीं मिली। बाद में भी राजपासा में कार्रवाई के लिए इस्तगासे पेश किए गए, लेकिन अनुमति नहीं मिली थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अब 20 साल बाद अपराधी हरिओम को राजपासा में बंद किया गया है। पुलिस विभाग के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2022 में चूरू में तीन बदमाशों के खिलाफ राजपासा एक्ट में इस्तगासे पेश किए गए। वर्ष 2023 में बीकानेर में दो, श्रीगंगानगर में एक, हनुमानगढ़ में चार, एवं चूरू में दो बदमाशों पर इस्तगासे जिला कलक्टर के समक्ष पेश किए हैं, जो विचाराधीन हैं। इनमें से बीकानेर में एक इस्तगासे पर कार्रवाई हुई है।

पुलिस को लगता है कि किसी आपराधिक प्रवृति के व्यक्ति से समाज को खतरा है या शांति खत्म हो सकती है। ऐसे व्यक्ति को सरकार समाज विरोधी क्रियाकलाप अधिनियम 2006 की धारा 2 (ग), 2 (घ), के तहत छह माह से एक साल तक जेल में बंद करवा सकती है। इसके लिए एसएचओ की रिपोर्ट पर पुलिस अधीक्षक कलक्टर के समक्ष इस्तगासा पेश करता है। कलेक्टर उसे निरुद्ध करने का आदेश देता है। सात दिन में गृह विभाग को रिपोर्ट भेजी जाती है। दो जजों की कमेटी एसएचओ, एसपी, कलक्टर और अपराधी को बुलाकर उनका पक्ष सुनती है। उसके बाद निर्णय लेती है। कमेटी की सहमति मिलने पर अपराधी को एक साल के लिए जेल में रखा जा सकता है।

मस्तान बाबा उर्स के दौरान पानी-पूरी खाने से किशोरी की मौत, पन्द्रह की तबीयत बिगड़ी

उदयपुर, (कासं)। मस्तान बाबा उर्स के दौरान लगे मेले में पानी पूरी खाने से पन्द्रह से अधिक लोगों की तबीयत खराब हो गई। जिनमें से एक किशोरी की मौत हो गई। इसकी सूचना मिलने पर परिजनों ने मुआवजा देने एवं कार्यवाही की मांग को लेकर शव लेने से इनकार कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र मल्लातलाई सज्जननगर मस्तान बाबा का 12 से 15 सितंबर को उर्स मेला का आयोजन हुआ था। जिसमें शामिल हुए लोगों ने वहां लगी पानी पुरी ठेले पर पानी पुरी का सेवन किया था। जिससे ओड समाज व अन्य समाज के करीब पन्द्रह से अधिक लोगों की तबीयत खराब हो गई थी। जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया।

जहां सज्जन नगर ओड बस्ती निवासी निशा (14) ओड़ पुत्री उदेश ओड की उपचार के दौरान मौत हो गई। इधर सूचना मिलने पर मृतक के परिजनों एवं समाज जनों की भीड एमबी चिकित्सालय में इकठ्ठा हो गई तथा हंगामा कर दिया। सूचना मिलने पर अम्बामाता थानाधिकारी डॉ. हनवंतसिंह राजपुरोहित मय जाप्ता मौके पर पहुंच कर समझाईश की लेकिन नहीं माने। इस पर वहां से सभी समाज जन कलेक्ट्री पहुचे। जहां परिजनों ने हादसे के लिए जिम्मेदार फूड इस्पेक्टर को निलंबित करने, मुआवजा देने एवं आरोपी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग करते हुए प्रदर्शन कर शव लेने से इनकार कर दिया।

एक साल पुराने ब्लाइंड मर्डर का पर्दाफाश

करौली, (निसं)। थाना सदर हिंडौन पुलिस ने एक साल पहले बरगमा गांव निवासी बुजुर्ग महिला बातूनी (55) की हत्या का खुलासा कर दिया है। मामले में परिवादी बेटे लेखराज जाटव पुत्र सुकाराम (35) को गिरफ्तार किया गया है।

एसपी ममता गुप्ता ने बताया कि 13 सितंबर 2022 को बरगमा गांव निवासी लेखराज जाटव द्वारा रिपोर्ट दी गई थी कि सात सितंबर की रात वह अपने भाई मंगल के साथ छत पर सो रहा था। रात को उसका भाई नीचे गया तो चारपाई पर मां बातूनी खून से लथपथ पड़ी हुई थी, मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। वे मां को तुरंत हिंडौन हॉस्पिटल लेकर गये। जहां से एसएमएस रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान 12 सितंबर को मां की मौत हो गई। अज्ञात व्यक्ति द्वारा मारपीट कर हत्या की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज किया गया। एसपी गुप्ता ने बताया कि तत्कालीन एसएचओ द्वारा पोस्टमार्टम करवा लाश अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौंपी गई।

घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर एफएसएल से मौके पर मिले साक्ष्य जुटाए गए। घटनास्थल का बीटीएस, सीडीआर निकलवा आपड़ोसी, परिजनों व संदिग्धों से पूछताछ की गई। कुछ समय बाद परिवादी लेखराज व उसके परिवारजन गांव छोड़कर चले गए। जिनकी तलाश की जा रही थी। वर्तमान में एसएचओ रामचंद्र को नव पदस्थापन पर पत्रावली चार्ज में प्राप्त हुई।

- **परिवादी बेटे ने ही की थी मां की हत्या, गिरफ्तार**
- **गुस्से में मारपीट कर मां की हत्या करना स्वीकार किया**

1 साल से पेंडिंग चल रहे मामले की जांच के दौरान शनिवार को मुखबिर से मिली सूचना पर परिवादी लेखराज को बाईपास चौराहा सिकरौदा फाटक से डिटेन कर गहनता से पूछताछ की गई तो घटना का खुलासा हो गया। पूछताछ में आरोपी ने गुस्से में मारपीट कर अपनी मां बातूनी की हत्या करना स्वीकार किया। जिस पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस ब्लाइंड मर्डर के खुलासे में एसएचओ रामचंद्र व कांस्टेबल उमेश व हेमेंद्र की विशेष भूमिका रही है।

रूपारेल नदी के बहाव क्षेत्र पर तारबंदी कर अवैध कब्जा

ग्रामीणों का आरोप है कि इस अतिक्रमण के कारण नदी का बहाव रूक जाएगा

अलवर, (निसं)। मालाखेड़ा तहसील अन्तर्गत गांव महुआ के पास सोहनपुर गांव के पास से रूपारेल नदी निकल रही है वहां पर एक व्यक्ति ने अपनी जमीन को आगे बढ़ाते हुए नदी के बहाव क्षेत्र पर तारबंदी करते हुए मिट्टी डाल कर उसे खेती के लिए तैयार कर लिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि, इस अतिक्रमण के कारण नदी का बहाव रूक जाएगा और अन्य गांवों में खेत सिचांई करने में किसानों को पानी नहीं मिल पाएगा, आगे के क्षेत्रों में पानी की कमी उत्पन्न हो जाएगी। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत मालाखेडा प्रशासन को दी है। मामला सामने आने के बाद जब यह प्रकरण सामने आया तो आरोप प्रत्यारोपों की झड़ी लग गई। मालाखेडा प्रशासन का हर कर्मचारी और अधिकारी अपने आपको बचाने में लगा हुआ है। ग्रामीणों ने अधिकारियों पर भ्रष्टचार का आरोप लगाए है।

मामले के अनुसार गांव सोहनपुर के पास से एक नदी निकलती है जिसे रूपारेल कहा जाता है। यह नदी नटनी का बारा से चलकर भरतपुर की ओर निकलती है यह काफी प्राचीन नदी है। इसी नदी के पास अलवर के मनुमार्ग निवासी विक्रम सिंह लोहिया की करीब 25 बीघा जमीन है जो इसने टुकडों में काश्तकारों से खरीदी है और यह करीब 4 बीघा जमीन भी उसने काश्तकारों से ही खरीदी है। लेकिन इस जमीन की कानूनी तौर पर रजिस्ट्री नहीं हो सकती। क्योंकि यह गैरमुमकिन जमीन कहलाती है आज भी यह जमीन पूर्व काश्तकारों के नाम ही बोल रही है। लेकिन लोहिया ने इस पर तारबंदी कर इसे खेती लायक बना कर नदी का बहाव क्षेत्र रोक दिया है जो गैर कानूनी है। ग्रामीणों ने जब यहां तारबंदी होता देखा तो इसकी शिकायत हल्का पटवारी से की और तहसीलदार को भी इसकी जानकारी दी। लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई। ग्रामीणों ने खुले में आरोप लगाया है कि अतिक्रमणकारी लोहिया को राजनैतिक संरक्षण प्राप्त होने के कारण इस पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

एक व्यक्ति ने अपनी जमीन को आगे बढ़ाते हुए नदी के बहाव क्षेत्र पर तारबंदी कर ली।

ग्रामीणों ने पूर्व तहसीलदार पर भ्रष्टचार कर रजिस्ट्री करने का आरोप लगाया है। इस मामले की वीडियो और फोटो लेकर जब तहसीलदार, पूर्व तहसीलदार और हल्का पटवारी से बात की तो उन्होंने अपने आप को बचाने का पूर्ण प्रयास किया है साथ ही लोहिया के विरूद्ध कोई कानूनी कार्यवाही ना करते हुए मौखिक तौर पर ही अतिक्रमण हटाने के लिए कहा है।

हल्का पटवारी पदम सिंह का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है इसकी जांच करने पर पाया है कि यह जमीन खातेदारी की है और विक्रम लोहिया ने खातेदारों से इकरानामे के आधार पर खरीदी क्योंकि इस जमीन की रजिस्ट्री नहीं हो सकती। यह गैरमुमकिन जमीन कहलाती है। इस पर अतिक्रमण नही किया जा सकता है दो दिन पूर्व इसकी शिकायत मिली थी जिस पर कार्यवाही करते हुए अतिक्रमणकर्ता विक्रम लोहिया को फोन द्वारा अतिक्रमण हटवाने का आदेश दे दिया है। अगर समय सीमा पर उसने अतिक्रमण नहीं हटाया तो उस पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

पूर्व तहसीलदार अजय मधुकर का कहना है कि यह मामला मेरे से पहले का है जब मेरे सामने आया तभी मेरा तबादला हो गया है यह मेरी जानकारी में नहीं है।

मौजूदा तहसीलदार राकेश जैन ने कहा कि हम हल्का पटवारी को भेज कर मामले की जांच करवाएंगे और मामला सत्य पाया जाता है तो अतिक्रमण कर्ता के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

- **ग्रामीणों ने कब्जाधारी पर राजनैतिक संरक्षण का आरोप लगाया**

'एंटी इनकंबेंसी भी है, अधिकांश मंत्री विधायकों की हालत भी खराब है'

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से कराये गये दोनों सर्वे के अनुसार ऐसी चर्चा है

- **अब क्या कांग्रेस सवा सौ नए चेहरे उतार कर एंटी इनकंबेंसी कम कर पाएगी या फिर बड़े नेताओं की पसंद के लोग ही चुनाव लड़ेंगे**
- **वर्तमान मंत्री विधायक ही नहीं बल्कि पिछली बार हारी हुई 40 से ज्यादा सीटों पर भी कांग्रेस की हालत अच्छी नहीं बताई जा रही**

जयपुर, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और मंत्री-विधायक यह कहते नहीं थक रहे हैं कि राजस्थान में इस बार एंटी इनकंबेंसी नहीं है, लेकिन अब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से कराए गए एक सर्वे तथा उसके अलावा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से एक विज्ञापन एजेंसी के जरिए कराए गए सर्वे के अनुसार कहा जा रहा है कि एंटी इनकंबेंसी भी है और अधिकांश मंत्री-विधायकों की हालत अपने क्षेत्र में बेहद खराब है। इतना ही नहीं पिछली बार जो उम्मीदवार चुनाव हारे थे, इस बार भी उनकी जीत की कोई उम्मीद नहीं है। ऐसे में सरकार रिपीट करने की बात करने वाली कांग्रेस क्या वर्तमान मंत्री-विधायकों में से 70 से ज्यादा लोगों के टिकट काटने का जोखिम उठा पाएगी। साथ ही पिछली बार हारने वाले 40 से ज्यादा उम्मीदवारों को बदल पाएगी।

हालांकि जहां तक सर्वे की बात है तो हर चुनाव में कांग्रेस इसी तरह के सर्वे की बात करती है। टिकट के लिए नए-नए मापदंड तय करती है, लेकिन जब उम्मीदवारों की सूची सामने आती है, तो हमेशा की तरह ही नेताओं की पसंद बनने वाले ही उम्मीदवार बनने में सफल होते हैं। यानी कि जिन सर्वे रिपोर्ट के आधार पर दावेदारों को डराया जाता है, या पैनल बनाने की बात होती है, वह उम्मीदवारी घोषित होने तक बेमानी साबित हो जाते हैं।

इस बार भी कांग्रेस बार-बार कह रही है कि सिर्फ जिताऊ ही मापदंड होगा। यानी कि इस बार दो बार हारने वाले उम्मीदवारों को भी टिकट की उम्मीद है। इतना ही नहीं पार्टी ने इस बार यह भी कहा है कि उम्र की भी कोई सीमा नहीं है। खुद मुख्यमंत्री कह चुके हैं कि कर्नाटक में 80 साल से ज्यादा के लोगों को टिकट दिया और वह चुनाव जीते। जब यह बात पार्टी कर रही है, तो फिर तय है कि इस बार पार्टी का किसी तरह का कोई मापदंड उम्मीदवार के लिए है ही नहीं। यदि पार्टी में मापदंड ही तय होते, तो फिर दो बार हारने वालों और 80 साल के लोगों को टिकट दिए जाने की चर्चा खुद मुख्यमंत्री ही क्यों करते?

जहां तक टिकट काटने की बात है तो हर चुनाव में कांग्रेस पुराने चेहरों के स्थान पर 50 से 60 नए लोगों को टिकट देती आई है और पिछली बार करीब 90 के आसपास टिकट नए लोगों को दिए गए थे। इसके बावजूद 2003 के चुनाव में पार्टी 1998 के मुकाबले 100 सीटों पर चुनाव हारी थी। 2008 में भी बड़ी संख्या में नए उम्मीदवार उतारे थे, इसके बावजूद पार्टी बहुमत से दूर 96 सीटों पर रुक गई थी। 2013 में भी कांग्रेस ने नए उम्मीदवारों को मौका दिया था लेकिन इसके बावजूद पार्टी अब तक की सबसे करारी ऐतिहासिक हार झेलते हुए 21 सीटों पर आ गई थी। 2018 में तो आधे से ज्यादा टिकट नए चेहरों को दिए थे। इसके बावजूद कांग्रेस बहुमत से एक सीट कम यानी कि 99 पर आकर रुक गई थी।

दरअसल कांग्रेस नए चेहरे उतारने की बात तो करती है। मापदंड की बात भी करती है, लेकिन जब नए चेहरों को उतारने की बात होती है, तो अधिकांश चेहरे नेताओं के परिवारों से होते हैं या फिर बड़े नेताओं की पसंद होते हैं। ऐसे में नए चेहरे उतारकर पार्टी जीत जाए, इसकी भी कोई गारंटी नहीं होती है।

यही कारण है कि इस बार भी भले ही पार्टी पांच सर्वे करने की बात कहे लेकिन जिस तरह से खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सर्वे करने वाले व्यक्ति का नाम युवा कांग्रेस की बैठक में लिया था। उसके बाद में सरकार का काम देखने वाली विज्ञापन एजेंसी का नाम सर्वे के लिए चर्चाओं में है। उससे स्पष्ट है कि सर्वे किस तरह से किया जा रहे हैं और उन सर्वे के जरिए किस तरह के उम्मीदवार ढूंढने के प्रयास हो रहे हैं।

फिलहाल तो जो चर्चाएं निकलकर आई है कि सर्वे में पार्टी के वर्तमान मंत्री-विधायकों के जीतने की स्थिति नजर नहीं आ रही है। अब देखना यह है कि इन सर्वे के आधार पर क्या पार्टी राजस्थान में सवा सौ से ज्यादा नए उम्मीदवार उतार पाएगी या फिर हमेशा की तरह नेताओं की पसंद बने लोगों को उम्मीदवार बनाकर एंटी इनकंबेंसी का सामना करेगी।

चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर में त्रिदिवसीय गणेश महोत्सव के अवसर पर महंत राहुल शर्मा के सानिध्य में केसर जल से महास्नान कराया गया, सिंदूर का चोला चढ़ाकर विशेष दूर्वा की झांकी सजाई गई। युवाचार्य पं.अमित शर्मा ने बताया कि महोत्सव में रविवार को भगवान गणपति के समक्ष 31 हजार लड्डू की झांकी सजाई गई व शाम को महाआरती का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु जुटे व 11 हजार दीपों से महाआरती का आयोजन किया गया।

भारतीय वायुसेना द्वारा सूर्य किरण एरोबेटिक डिस्प्ले का समापन

जयपुर, (का.सं.)। भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम द्वारा 15 से 17 सितंबर 2023 तक जयपुर में जल महल के ऊपर एक वायु जागरूकता प्रदर्शन आयोजित किया गया।

हवाई प्रदर्शन 15 और 16 सितंबर को अपराह्न 3.30 से 4.30 बजे के बीच आयोजित किया गया था, जिसमें जल महल के ऊपर नौ विमानों की संरचना में प्रवेश किया गया , जो जल महल के ऊपर लंबवत रूप से ऊपर की ओर जा रहे थे, और अंत में एक हीरे का आकार बनाते थे। टीम ने तेजस विमान के आकार में उड़ान भरी और विक्रम लैंडर के आकार में उड़ान भरकर इसरो के मिशन चंद्रयान -3 के लिए एक युद्धाभ्यास भी समर्पित किया। टीम ने कई चुनौतीपूर्ण युद्धाभ्यास किए जिनके लिए पूर्ण सटीकता, सिंक्रनाइजेशन और बहुत उच्च स्तर की पेशेवर क्षमता की आवश्यकता होती है। 20 मिनट के प्रदर्शन का समापन हार्ट विद क्यूपिड एरो फॉर्मेशन के साथ हुआ।

17 सितंबर को समापन समारोह के लिए लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ दक्षिण पश्चिमी कमान और अन्य नागरिक व्यक्ति उपस्थित थे। हालांकि, खराब मौसम की स्थिति के कारण प्रदर्शन आयोजित नहीं किया जा सका।

इस हवाई प्रदर्शन को हर दिन लगभग 30,000 दर्शकों ने देखा, जिनमें लगभग 6000 छात्र और एनसीसी कैडेट शामिल थे। भारतीय वायु सेना ने हवाई प्रदर्शन देखने वाले छात्रों और बच्चों को आकर्षक विमान पोस्टर और स्टिकर वितरित किए। इस शो ने एक ओर जहां युवा पीढ़ी को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया, वहीं दूसरी ओर, इसने भारतीय वायु सेना में अदम्य भावना और अनुशासन की विशेषताओं को प्रदर्शित किया। भारतीय वायुसेना और नागरिक प्रशासन के बीच सक्रिय समन्वय ने कार्यक्रम का कुशल संचालन सुनिश्चित किया, जिसकी काफी सराहना की गई।

एमएसपी अधिकार के लिए बलिदान देने की आवश्यकता : रामपाल जाट

जयपुर, (का.सं.)। 11 राज्यों के किसान प्रतिनिधियों ने नागपुर में 29-30 जुलाई को किसान महापंचायत की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया। जिसकी प्रतियां केंद्र एवं राज्यों को प्रेषित कर दी गई। राजस्थान के किसानों ने पांच रथों से 10 दिवसीय एम.एस.पी. अधिकार यात्रा 24 अगस्त से 2 सितंबर तक आयोजित की।

न्यूनतम समर्थन मूल्य तो व्यवस्था परिवर्तन का आरंभिक चरण है। राजनीतिक दलों में व्यवस्था परिवर्तन की मन: स्थिति हो तो जनता को संघर्ष की आवश्यकता नहीं है। इसके अभाव में संघर्ष ही विकल्प है। कृषि प्रधान देश में किसान की खुशहाली और देश की खुशहाली समान अर्थ वाली है। देश की समृद्धि का रास्ता भी यही है, जिसे शासन कर्ताओं ने छोड़ दिया है और विकास के नाम पर अंतहीन अंधेरी गली की ओर मुड़ गए हैं। हम सभी किसान प्रतिनिधि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की गारंटी के कानून के लिए कृत संकल्प है। उस दिशा में अपने स्वप्नों और अरमानो की बलि चढ़ाकर व्यवस्था परिवर्तन की दिशा में वोट की चोट को माध्यम बनाकर न्यूनतम समर्थन मूल्य की शक्ति के प्रदर्शन के लिए चुनाव में भागीदारी करेंगे।

कोटा, बूंदी और करौली में खुलेंगे बालिका छात्रावास

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार प्रदेश में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए अहम निर्णय ले रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विभिन्न जिलों में नवीन बालिका छात्रावासों के भवन निर्माण के लिए 2.50 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

पीएम मोदी के जन्मदिवस पर प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

- **पीएम मोदी का जीवन देश को समर्पित, मातृशोक पर भी अवकाश नहीं : नारायण पंचारिया**

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा की ओर से मनाए जा रहे सेवा सप्ताह के तहत रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पीएम मोदी के बाल्यकाल से राजनैतिक जीवन की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी लगाई गई। इस दौरान चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, राज्यसभा सांसद डॉ.किरोड़ीलाल मीणा और भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जीवन देश के लिए पूरी तरह समर्पित रहा है। उनके भीतर बचपन से ही देश सेवा का जज्बा रहा है। इसका हम सभी के सामने प्रत्यक्ष उदाहरण है कि पीएम बनने के बाद से निरंतर नौ साल बिना किसी अवकाश के देशसेवा में जुटे हुए है। मोदी ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने मातृशोक होने के बाद भी अवकाश नहीं लिया और लगातार तय कार्यक्रमों में भाग लिया। आज जो प्रदर्शनी लगाई गई है इसमें उनके अध्ययन, आध्यात्म की ओर रूझान, महापुरूषों का अनुसरण और देश के दलित और वंचित लोगों का सम्मान शामिल किए गए। पीएम मोदी के दूरदर्शी सोच के चलते ही आज भारत का दुनिया में परचम लहराया है। हाल ही में भारत ने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैडिंग के मुकाम को पाया और जी-20 की अध्यक्षता से पीएम मोदी ने यह साबित कर दिया कि भारत को भविष्य में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकता।

बंजारा समाज ने लिया नशा मुक्त जीवन जीने का संकल्प

जयपुर। घुमंतू जाति उत्थान न्यास जयपुर महानगर की ओर से रविवार को अपनी बस्ती अपना हवन कार्यक्रम के अंतर्गत कालवाड़ रोड माचवा की राम कुटिया स्थित बंजारा बस्ती में सुबह नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ किया गया।

बाबा रामदेव जन्मोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में साठ जोड़ों ने गायत्री मंत्रोच्चार के साथ दो पारियों में आहुतियां अर्पित कीं। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी और गायत्री शक्तिपीठ कालवाड के विद्वानों की टोली ने विधि विधान से यज्ञ करवाया। व्यासपीठ से प्रहलाद शर्मा और विपिन पारीक ने उपस्थित श्रद्धालुओं को नशा मुक्त जीवन जीने का संकल्प करवाया। उपस्थित सभी लोगों ने हवन की पूर्णाहुति में किसी भी तरह का नशा नहीं करने, अभक्ष्य भोजन का त्याग करने का संकल्प लिया।मुख्य वक्ता घुमंतू जाति उत्थान न्यास के जयपुर महानगर प्रमुख राकेश कुमार शर्मा ने इस अवसर पर उपस्थित लोगो को राष्ट्र विकास में मिलकर योगदान का आग्रह किया। गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा के मनोज पारीक ने दुपट्टा ओढाकर सभी का अभिनंदन किया। बंजारा समाज के भैंरूराम बंजारा और भंवरराम बंजारा ने आभार प्रकट किया। इस मौके पर नेत्र रोग परीक्षण शिविर और नशा मुक्ति प्रदर्शनी भी लगाइ।

कर्मचारियों से किए वादों को पूरा करें सरकार : महासंघ एकीकृत

जयपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कांग्रेस के जन घोषणा पत्र-2018 में कर्मचारियों से किए वादों को शीघ्र पूरा करने की मांग की है। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि सरकार ने अगर आचार संहिता से पूर्व उन वादों को पूरा नहीं किया तो आगामी चुनावों में कांग्रेस के घोषणा पत्र पर कोई विश्वास नहीं करेगा।

गौरतलब है कि पिछले चुनाव में कांग्रेस के जन घोषणा पत्र में कर्मचारियों की वेतन विसंगतियों को दूर करने का वादा किया गया था। सरकार ने सामंत कमेटी और खेमराज कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद भी उन कमेटियों की रिपोर्ट को आज तक सार्वजनिक नहीं किया है। इससे प्रदेश के राज्य कर्मचारियों में काफी आक्रोश है। घोषणा पत्र में संविदा कर्मियों व ठेका कर्मियों सहित सभी अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करने का भी वादा किया गया था। लेकिन सरकार ने केवल राजस्थान कांट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स-2022 बनाकर ही संतोष कर लिया है। इसमें ठेका कर्मियों, आंगनबाड़ी कर्मियों एवं जनता जल कर्मियों सहित अन्य अस्थाई कर्मचारियों को शामिल नहीं किया है। इसके जो नियम बनाए गए हैं वे भी कर्मचारियों के साथ छलावा है। उनमें कार्मिकों को नियमित करने के बजाय आजीवन संविदा कर्मी रखने की योजना है। यह कर्मचारी भविष्य में कभी भी नियमित कर्मचारियों के समान वेतन प्राप्त नहीं कर सकेंगे। महासंघ की मांग है के इन सभी अस्थाई कार्मिकों को पूर्व नियमित कर्मचारियों के समान ही नियमित किया जाए।

एक अन्य बयान में राठौड़ ने कहा कि चयनित वेतनमान का लाभ 9,18 व 27 वर्ष के स्थान पर 8,16, 24 व 32 वर्ष पर पदोन्नित पद के सामान देने, बजट घोषणाओं के क्रियान्वित करने एवं ग्रामीण कर्मचारियों को ग्रामीण भत्ता देने सहित 17 सूत्री मांगे राज्य सरकार के पास पिछले काफी समय से विचाराधीन है। उन पर भी सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया है। राठौड़ ने कहा कि अगर समय रहते सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया तो आगामी चुनावों में उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

एटीएस ने पीएफआई के समर्थक को पकड़ा

जयपुर। भारत में प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का समर्थन करने और सोशल मीडिया के जरिए लोगों को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए भड़काने व उकसाने के मामले में एटीएस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने आरोपी के कब्जे से 2 मोबाइल भी जब्त किए हैं, जो राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए उपयोग करता था। फिलहाल एटीएस टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है।

एडीजी एटीएस-एसओजी अशोक राठौड़ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सोहेल भिश्ती (22) पुत्र सिराज मोहम्मद भिश्ती निवासी शाहपुरा भीलवाड़ा हाल भोपालपुरा मस्जिद के पास है। पुलिस उप महानिरीक्षक एटीएस अंशुमन भोमिया ने बताया कि सोहेल भिश्ती नामक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग कर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने की सूचना प्राप्त हुई। एटीएस की टीम को तुरंत कार्रवाई के लिए भीलवाड़ा भेजा गया। टीम ने संदिग्ध सोहेल भिश्ती को पकड़कर जांच की। जांच में मोहम्मद सोहेल भिश्ती के सोशल मीडिया के जरिए लोगों को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए उकसाने व भड़काने में संलिप्त पाया गया।

मिश्री लाल सैनी निर्विरोध अध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान सैनी अधिकारी एवं कर्मचारी विकास संस्था के अलवर किशनगढ़-बास के मिश्री लाल सैनी को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है।

62 पदों का होगा सृजन

जयपुर। राज्य की क्रमोन्नत 5 तहसीलों (रारह-भरतपुर, जसरासर-बीकानेर, पापड़दा-दौसा, सरदारगढ़-राजसमंद, बारापाल-उदयपुर) एवं 3 उप तहसीलों (श्रीबालाजी-नागौर, भण्डारी-सीमलवाडा डूंगरपुर, ओगणा-झाडोल उदयपुर) के लिए 62 विभिन्न पदों का सृजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। क्रमोन्नत तहसीलों में तहसीलदार, तहसील राजस्व लेखाकार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, कनिष्ठ लेखाकार, सूचना सहायक, वरिष्ठ सहायक, ऑफिस कानूनगो एवं रिसोर्स परसन पटवारी के 5-5 पदों व कनिष्ठ सहायक के 10 पदों सहित कुल 50 पद सृजित किए गए हैं।

आई.टी. घोटाले के मास्टर माइंड के पास जयपुर में अकूत प्रोपर्टी, सरकार जब्त करे : डॉ. किरोड़ीलाल

राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने पत्रकारों से रूबरू होकर 66 हजार करोड़ रुपये के खान घोटाले सहित, जल जीवन मिशन, आई.टी. घोटाला और नगरीय विकास विभाग के तथाकथित घोटालों का खुलासा किया

- **'खुद को गांधीवादी मुख्यमंत्री कहने वाले गहलोत मंत्रियों और विधायकों सहित चहेते अधिकारियों पर कार्रवाई करके दिखाएं'**

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने प्रेसवार्ता कर प्रदेश कांग्रेस सरकार पर हजारों करोड़ के भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। इस दौरान डॉ. मीणा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के राज में 66 हजार करोड़ से ज्यादा का खान घोटाला जिसमें 27 हजार करोड़ का खनिज घोटाला, 20 हजार करोड़ का बजरी घोटाला, 10,800 करोड़ का अरावली हिल्स घोटाला, 2500 करोड़ का हिंदुस्तान जिंक घोटाला, 2400 करोड़ का जिंदल कोयला घोटाला, 2000 करोड़ का जीआरसीसी घोटाला, 1000 करोड़ का सीमेंट घोटाला, 1000 करोड़ का एमनेस्टी घोटाला और 200 करोड़ का घोटाला शामिल है। इसके अलावा जल जीवन मिशन घोटाला, आईटी घोटाला, सीएम के पुत्र वैभव गहलोत का होटल इंडस्ट्री में मोरिशिस के रास्ते काले धन को सफेद करना, यूडीएच घोटाले सहित कई घोटालों में प्रदेश के मंत्री, ब्यूरोक्रेट और विधायकों के शामिल होने का आरोप लगाया।

इस दौरान उन्होंने कैबिनेट मंत्री महेश जोशी पर तंज कसते हुए कहा कि वो मान हानि का दावा करने के लिए मेरी तरफ से स्वतंत्र हैं। मैं मीडिया के माध्यम से कहता हूं कि मैं कई महीनों से मान हानि के नोटिस का इंतजार कर रहा हूं। डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि एक और खुलासा हमने डीओआईटी को लेकर किया था। जिसमें लगातार हमे बहुत सारे सबूत मिलते जा रहे हैं लगभग साढ़े पाँच किलो सोना, 6 करोड़ रुपये नकद और बहुत सारे अहम दस्तावेज बरामद हुए है। इसमें कई बड़े प्रशासनिक अधिकारी, मंत्रियों और सीमएओ की मिलीभगत है। इस संबंध में हमारी ओर से ईडी को सभी दस्तावेज देकर इनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में ईडी की जांच जब आगे बढ़ेगी तो इसमें मुख्यमंत्री और उनके नजदीकी अधिकारियों का नाम भी सामने आएगा। अभी और बहुत सारी ऐसी कंपनियां हैं जिनके फर्जीवाड़ों, अधिकारियों के द्वारा भारी गड़बड़ियों और पब्लिक के पैसे की बंदरबांट की जानकारी हमने ईडी को दे दी है। डॉ. मीणा ने कहा कि राजकॉम के पॉश मशीन के वितरण में काफी घोटाले हुए है जिनमे फर्जी दस्तावेजों से टेन्डर लेना और फर्जी कंपनियों को भुगतान करना शामिल है। इसी सिलसिले में एक दस्तावेज हमने ईडी को दिया है, जिसमें एक अतिरिक्त निदेशक आरसी शर्मा जो अब रिटायर्ड हो चुके हैं, इस अधिकारी ने 2020 की फ़ाइलों पर व्हाईटनर लगाकर 2022 कर दिया और लिंकवेल कंपनी को करोड़ों का भुगतान करा लिया। जबकि उक्त कंपनी को आवंटित कार्य 2020 में ही पूर्ण हो चुके थे। इस संबंध में सरकार को जानकारी देने के बावजूद भी उस अधिकारी के खिलाफ गहलोत सरकार ने कोई आपराधिक कार्यवाही नहीं की। हैरानी की बात तो ये है कि आरसी शर्मा को पेंशन के पूरे लाभ भी दिये गए। यही अधिकारी अब भी इन्ही कंपनियों में सलाहकार बनकर डीओआईटी में दलाली कर रहा है। मेरी सरकार से मांग है कि आरसी शर्मा को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और लिंकवेल कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके एसीबी को जांच सौंपी जाए, और मेरा ईडी से भी निवेदन है कि इस मामले में त्वरित कार्यवाही की जाए।

डॉ. किरोडीलाल मीणा ने कहा कि कुछ महीनों पहले डीओआईटी में आधार कार्ड विभाग में रिश्वतखोरी के सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की थी। उस वक्त हमने राज्य सरकार से 17 मामलों में अभियोजन स्वीकृति के लिए कहा था लेकिन सरकार ने महज चार मामलों में ही अभियोजन स्वीकृति दी थी। राजकॉम इनफो सर्विसेज लिमिटेड में 06 अगस्त 2017 में भामाशाह डिजिटल पेमेंट किट के लिए एक टेंडर निकला था इन भामाशाह डिजिटल किट में टैब, फिंगर प्रिंट स्कैनर आदि मशीनो का सेट खरीदा जाना था।

इस टेंडर के जरिये राजकॉम कंपनी को कुल 8592 किट खरीदनी थी। जिनकी कुल कीमत लगभग 29 करोड रूपये है। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत जब हमने जानकारी ली तो पता चला कि केवल 4964 मशीनें ही खरीदी गई और भुगतान 8592 मशीनों का उठा लिया गया। 29 मार्च 2019 के दिन मात्र 4964 मशीन ही प्रदेश में कार्यरत पाई गई। इसमें हैरानी की बात तो यह है कि मई 2019 के बाद से इन मशीनों में से एक भी मशीन काम में नहीं है। मशीन कहा गई उसकी कोई जानकारी किसी को नहीं है, इस मामले में मुख्य अधिकारी हंसराज यादव, सीताराम स्वरूप और रणवीर सिंह है। इन्ही अधिकारियों ने करीब 100 करोड़ रुपये के घोटाले विभिन्न प्रोजेक्टों में किए हैं। जिसमें मैर्सस अतिशय लिमिटेड के साथ ऑथेंटिकेशन इंजन, आधार की वेबसाईट, माइक्रो एटीएम मशीन आदि के प्रोजेक्ट शामिल है।

डॉ. मीणा ने कहा कि कुछ मामले जो कि आज मैं केवल संक्षेप में बता रहा हू जैसे राजनेट प्रोजेक्ट में एक अधिकारी जिसने इन मशीनों की ऑडिट के नाम पर एक फर्म को 15 करोड़ रुपये दे दिए। जो मशीन लगी ही नहीं केवल इन्होंने हर तरह से पैसे की लूट पर अपना फोकस रखा है। इस मामले में नया खुलासा ये हुआ है कि राजनेट के अभियंताओं को समय पर सैलरी नहीं मिल रही और सीपी सिंह ने सीपी सिंह ने सोडाला में एक कॉम्पलेक्स में एक साथ तीन फ्लेट खरीदे हैं प्रत्येक फ्लेट की कीमत साढे, चार करोड़ है। इस प्रकार कुल कीमत साढ़े तेरह करोड़ हुई। एक फ्लेट खुद सीपी सिंह के नाम है, एक उसकी पत्नी के नाम है और तीसरा उसके बेटे हर्षवर्धन सिंह के नाम है। इन फ्लेटस की रजिस्टरी 15 अक्टूबर 2022 के आस पास की है। इसके अलावा सीपी सिंह का एक फ्लेट मुंबई में है, सीपी सिंह ने अपनी पत्नी के नाम अभी हाल ही में गाजियाबाद में एक प्रोपर्टी खरीदी है। दिल्ली रोड पर सीपी सिंह की कोई बहुत बड़ी प्रोपर्टी है जिसका मैं निकट भविष्य में खुलासा करूंगा है। सीपी सिंह के माता पिता के नाम बहुत बड़ी प्रोपर्टी बतायी गयी है।

सीपी सिंह ने हाल ही में एक डिफेंडर कार खरीदी है जिसकी कीमत करीब डेढ़ करोड़ रूपये है एवं तीस-तीस चालीस-चालीस लाख की कई बाइक है।

डॉ. मीणा ने कहा कि गहलोत सरकार में बेशुमार धन कमाने वाले इन अफसरों के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं होती इसलिए मैं ईडी से मांग करता हूं कि सीपी सिंह के खिलाफ कार्रवाई की जाए। कार्मिक विभाग की वित्तीय सलाहकार ज्योति भारद्वाज द्वारा स्वयं के नाम पर 15 फ्लैट एवं पुत्र के नाम 11 फ्लैट विगत 4 एवं 5 मार्च 2022 को दो दिन में ही करोड़ों की राशि से खरीद लिए जो समाचार पत्रों में प्रकाशित भी हुआ है। इसकी जानकारी हमने करीब महिने भर पहले ईडी को दे दी थी। जल जीवन मिशन में अब तक 10 किलो से ज्यादा सोना और करोड़ों का काला धन मिल चुका है। जिसमें और गणपती ट्यूबवेल और श्याम ट्यूबवेल के फर्जीवाड़ों के बारे में हमने खुलासा किया, वो भी पूरा सत्य साबित हुआ है। और बहुत सारी फर्म है जैसे मांगीलाल बिश्नोई, विष्णु प्रकाश पुनगोलिया, जीआर इन्फ्रा आदि बहुत सी फर्म है जिन्होंने सैंकड़ों करोड़ के काम गणपती और श्याम ट्यूबवेल के तर्ज पर फर्जी दस्तावेजों से लिए हैं, जिसके बारे में बहुत जल्दी आपके सामने बहुत सारे और खुलासे करेंगे।

डॉ. मीणा ने कहा कि सिचाई विभाग, यूडीएच और सूक्ष्म ऊर्जा में भी करीबन 20000 हजार करोड़ का घोटाला है जो कि मैं अगली पत्रकार वार्ता में खुलासा करूंगा खुद को गाँधीवादी मुख्यमंत्री कहने वाले अशोक गहलोत से मैं मांग करता हूं कि जल जीवन मिशन में उजागर किए गए घोटाले, खान घोटाले और वैभव गहलोत के होटल इंडस्ट्री के घोटालों में अर्जित काले धन के संबंध में अपने पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही कराएंगे तो हम मानेंगे कि सीएम गहलोत भ्रष्टाचार में जीरो टोलरेंस की बात करते हैं। इन सभी मामलों में यदि कार्रवाई नहीं हुई तो हम पूरे राज्य में आंदोलन करेंगे।

मोबाइल शोरूम में हुई लाखों की चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

पुलिस ने एक नाबालिग को निरुद्ध किया, नौ मोबाइल व एक कैमरा बरामद

भीलवाड़ा, (निसं)। नवसृजित जिले शाहपुरा की पुलिस ने छह दिन पूर्व मोबाइल शोरूम से हुई चोरी की मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए एक नाबालिग को निरुद्ध किया है।

शाहपुरा पुलिस अधीक्षक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि शाहपुरा में 11 सितंबर को दलीचंद पुत्र देवकिशन गुर्जर निवासी सरदारपुरा ने पुलिस को इस आशय की रिपोर्ट दी थी कि गत रात्रि में उसके मोबाइल शोरूम आदित्य मोबाइल से जंगला तोड़कर अज्ञात चोरों ने मोबाइल, वीडियोग्राफी का कैमरा व नगदी चुरा ली। इस मामले में शाहपुरा व्यापार मंडल की ओर से भी अध्यक्ष बालमुकंद तोषनीवाल व मोबाइल एसोसियेशन के अध्यक्ष शांतिलाल मामोड़िया की अगुवाई में पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया गया था।

पुलिस ने मोबाइल शोरूम से हुई चोरी का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- शाहपुरा थाना पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोरी लाल के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया। घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। मुखबीर तंत्र को सक्रिय कर चोरी गए मोबाइलों का साइबर तकनीक से पता लगाकर आरोपी विनोद पुत्र बादाम मीणा तथा दीपू पुत्र लक्ष्मण मीणा को गिरफ्तार कर लिया गया। इन्हीं के सहयोगी के रूप में एक नाबालिग आरोपी को निरुद्ध भी किया गया है। इनके कब्जे से पुलिस द्वारा कुल 9 मोबाइल, एक कैनन कंपनी का कैमरा बरामद कर लिया गया है। अन्य सामान व नगदी बरामद की जानी शेष है। शाहपुरा थाना पुलिस इन दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस को आशंका है कि कुछ अन्य चोरी की वारदातों का भी खुलासा हो सकता है।

सुजला जिले की मांग को लेकर 169 दिन से धरना जारी

आचार संहिता लगने से पूर्व आंदोलन किया जाएगा तेज

सुजानगढ़ के गांधी चौक में सुजला जिले की मांग को लेकर धरना जारी है।

सुजानगढ़, (निसं)। एक दशक से लगातार सुजला जिले की मांग को लेकर आंदोलन कर रहा सुजला महा सत्याग्रह द्वारा आचार संहिता लगने से पूर्व आंदोलन को एक बार फिर तेज किया जाएगा। गांधी चौक में लगातार गत 169 दिनों से चल रहे धरने पर महा सत्याग्रह के कार्यकर्ताओं ने आगामी समय में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजनों को लेकर विचार विमर्श किया।

महा सत्याग्रह के संयोजक श्रीराम भामा ने कहा कि सितंबर माह सरकार का भविष्य तय करेगा अगर सितंबर महीने में जिले की घोषणा नहीं होती है तो आने वाले विधानसभा चुनाव में सरकार को सुजला क्षेत्र सहित आसपास के आधे दर्जन विधानसभा में सीधा नुकसान उठाना पडेगा। धरने पर विजयपाल श्योराण, किशोर दास स्वामी, गोविंद जोशी, राजकुमार सेन, मोहम्मद यूसुफ गौरी, हाजी हाकम अली खान, मधुसूदन अग्रवाल, राजू सिंह भाटी, गोपाल मोयल, नरेंद्र मोयल, ओमप्रकाश स्वामी, सादिक खान, दीनदयाल सेन, रणजीत चौहान, राधेश्याम रेगर, अब्दुल वकास, विजय कुमार सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने आचार संहिता पूर्व सुजला जिला बनाने की नारीबाजी और आगामी समय में आंदोलन को तेज करने को लेकर अपने विचार रखें।

मारवाड़ 0018 गैंग के पांच बदमाश गिरफ्तार

चूरू, (कासं)। झुंझुनू और समीपवर्ती हरियाणा राज्य में सक्रिय मारवाड़ 0018 गैंग के पांच सदस्यों को दुधवाखारा पुलिस की टीम ने गिरफ्तार किया है। बदमाशों के पास से एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी भी जप्त की गई है।

एसपी राजेश कुमार मीणा ने बताया कि आरोपी मनोज कुमार जाट पुत्र जयपाल सिंह (24) निवासी थाना पिलानी जिला झुंझुनू, अनुज जाट पुत्र दारा सिंह (22) व दीपक जाट पुत्र कृष्ण (24) निवासी थाना सुरजगढ़ जिला झुंझुनू, नरेन्द्र जाट पुत्र बलवीर सिंह (24) निवासी व संजीव कुमार जाट पुत्र रोहिताष (20) निवासी थाना बहल जिला भिवानी हरियाणा को गिरफ्तार किया गया है। एसपी मीणा ने बताया कि संगठित अपराधिक एवं सक्रिय गिरोह के सदस्यों से जुड़े हुए व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कारवाई के लिए

दुधवाखारा पुलिस की टीम ने मारवाड़ 0018 गैंग के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया।

- बदमाशों के पास से एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी भी जप्त की गई

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेंद्र मीणा व सीओ जयप्रकाश अटल के सुपरविजन एवं एसएचओ दुधवाखारा अल्का बिश्नोई के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

गठित की गई टीम द्वारा रविवार को 0018 गैंग के पांच सदस्यों मनोज कुमार जाट, अनुज जाट, दीपक जाट, नरेंद्र जाट और संजीव कुमार जाट को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जानकारी में गिरफ्तार बदमाशों के विरुद्ध विभिन्न थानों में काफी प्रकरण दर्ज होना पाया गया है। यह बदमाश झुंझुनू जिले व सीमावर्ती हरियाणा में मारवाड़ 0018 गैंग का संचालन करते हैं। इस गैंग का एक सदस्य पिछले ही दिनों थाना सूरजगढ़ में हथियार सहित गिरफ्तार हुआ था। इसके बाद से गैंग के अन्य सदस्य विभिन्न स्थानों पर छुपने का प्रयास कर रहे हैं। इनके कब्जे से एक काली स्कॉर्पियो गाड़ी भी जब्त की गई है।

सड़क हदसे में एक युवक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायला थाना क्षेत्र से गुजरने वाले अजमेर हाइवे पर रविवार सुबह गाय से टकराने के बाद टेंपो पलट गया। हादसे में टेंपो में सवार युवक की मौत हो गई। युवक, बालापुरा स्थित गौशाला से दुग्ध लेकर सप्लाई देने शहर की और आ रहा था। पुलिस ने बताया कि मांडल थाने के देवाजी का खेड़ा निवासी कैलाश (23) पुत्र देवीलाल गुर्जर रविवार सुबह बालापुरा क्षेत्र स्थित शिवम गौशाला से टेंपो में दुग्ध के केन भरकर सप्लाई देने शहर के लिए रवाना हुआ। इस बीच, अजमेर हाइवे पर रायसिंहपुरा चौराहे के पास अचानक टेंपो के आगे गाय आ जाने से टक्कर हो गई। हादसे में कैलाश गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए एमजी अस्पताल लाया गया, जहां उसे डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। रायला पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाते हुये हादसे के कारणों की जांच शुरु कर दी।

पेड़ पर लटकी मिली युवक की लाश

अजमेर, (कासं)। ईदगाह क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। उसका शव सुबह नीम के पेड़ पर लटका मिला। मृतक के खिलाफ बेटी से रेप का मामला दर्ज है। आरोपी घरेलू विवाद के चलते मानसिक तनाव में था। क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिया और मामले की जांच में जुटी है।

- घरेलू विवाद के चलते मानसिक तनाव में था
- मृतक के खिलाफ बेटी से रेप का मामला भी दर्ज है

क्रिश्चयनगंज थाने के एएसआई तेजाराम ने बताया कि करीब 45 साल के व्यक्ति के सुसाइड की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि नीम के पेड़ पर लटके व्यक्ति को घर वालों ने नीचे उतार लिया था और उसे लेकर जेएलएन अस्पताल आए। जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आरोपी के खिलाफ उसकी बड़ी बेटी ने पत्नी के साथ मिलकर रेप का मामला दर्ज कराया था। मौके पर मौजूद रिश्तेदार ने बताया कि मृतक मुकदमा दर्ज कराने से डिप्रेशन में था और रात को फांसी लगा ली। सुबह जब इसके चारों बच्चे उठे तो पता चला। पत्नी व बड़ी लड़की पीहर में रह रही है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिया और मामले की जांच कर रही है।

घर-घर कनेक्शन के लिए तोड़ी गयी सड़क से ग्रामीण परेशान

सुजानगढ़, (निसं)। ग्राम पंचायत मुरडाकिया के चारिया गांव में जेजेएम योजना के तहत घर-घर कनेक्शन के लिए तोड़ी गयी से ग्रामीण परेशान है। ग्रामीणों ने बताया कि जेजेएम योजना में प्रत्येक घर को नल से जोड़ने के लिए गांव की गलियों की खुदाई की गयी थी। "आपणी योजना" के ठेकेदार द्वारा सड़क तोड़ दी गयी लेकिन उनकी मरम्मत नहीं करवायी गयी।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव की सड़क को एकदम बीच में से तोड़ देने के कारण वाहनों को गुजरने में भारी असुविधा हो रही है। चारिया गांव के जैसराज शर्मा ने बताया कि उनके गांव में नियमित पेयजल सप्लाई नहीं होती। जिस कारण मजबूरन उन्हें शोभासर से पानी का टैंकर खरीदकर

गांव चारिया में सडक के बीच में जेसीबी से खोदी गयी सडके।

घरों में डलवाना पड़ता है।

सरपंच प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण ने बताया कई बार आपणी योजना के स्थानीय अधिकारियों को सूचित कर दिया लेकिन फिर भी वे गांव की सड़कों को दुरूस्त नहीं करा पा रहे। सरपंच नारायणी देवी ने बताया कि गांव में बन रही आपणी योजना की टंकी कार्य भी कछूआ चाल से चल रहा है। कई बार निर्माण कार्य टंकी के बंद रहते है। जिसका निर्माण शीघ्र शुरू करवाने की मांग ग्रामीणों के तरफ से रखी गयी है।

ठगी करने का आरोपी गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। जमीन के फर्जी कागज बनाकर किसानों को जमीन बेचने के नाम पर ठगी करने के आरोप में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार ने बताया कि 8 मई को शिवराज सिंह निवासी 8 केएसडी रायसिंहनगर ने पुलिस थाना अनूपगढ़ में मुकदमा दर्ज करवाया कि सुखदेव सिंह से जान-पहचान थी। जिसके आधार पर सुखदेव सिंह, अजीमत गोपाल सिंह, गुरनाम सिंह, साहब सिंह, श्रवण सिंह व भगवानाराम को पता लगा कि शिवराज सिंह जमीन खरीदना चाहता है। जिस पर सभी आरोपियों ने मिलकर षड्यंत्र रचकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर कमरानिया में जमीन दिखाई। इस जमीन का मालिक हिमाचल का मलकीत सिंह था। जबकि आरोपियों ने किसी मालाराम नाम के व्यक्ति को फर्जी जमीन मालिक बना दिया और जमीन के सौदे के नाम पर 25 लाख 38 हजार की ठगी कर ली।

लम्बोर बड़ी गांव निवासी योगेश जम्मू-कश्मीर में शहीद

सादुलपुर, (निसं)। जम्मू-कश्मीर में चल रही आंतकियों के साथ मुठभेड में राजगढ़ तहसील के गांव लम्बोर बड़ी निवासी योगेश शहीद हो गये हैं। जिनका पार्थिव देह 18 सितम्बर को दोपहर तक राजगढ में पहुंचने की संभावना है। ज्ञात रहे कि शहीद योगेश 18 केवलरी आर्म्ड 14 नेशनल राईफल में डेपूटेशन पर तैनात थे। जो कि सन् 2013 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे।

जानकारी के मुताबिक देर रात को सेना और आतंकियों की मुठभेड हुई थी, जिसमें चूरू जिले की राजगढ तहसील के लम्बोर बडी निवासी योगेश पुत्र पृथ्वी सिंह 28 साल के आंतकियों से लोहा लेते समय गोली लग गई, जिसमें वे आंतकियो से लोहा लेते हुए शहीद हो

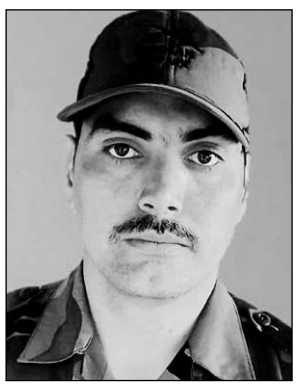

शहीद योगेश

गये। तथा शहीद योगेश के पिता गाँव में खेतीबाडी का कार्य करते है। शहीद की पत्नी बीकानेर क्षेत्र में नर्स के पद पर कार्यरत है तथा एक पुत्र है। बताया जा रहा है कि शहीद योगेश भी अपने माता पिता की इकलोती संतान था।

पूर्व सैनिक संघ राजगढ के अध्यक्ष जगत सिंह ने बताया कि शहीद योगेश की पार्थिव देह 18 सितम्बर को दोपहर ०1 बजे तक शहीद स्मारक राजगढ में पहुंचने की संभावना है तथा जहां से सेना की गार्ड के द्वारा शहीद योगेश दनेवा की पार्थिव देह को सम्मान सेना की गाडी से उनके पैतृक गाँव लम्बोर बडी में ले जाया जायेगा। आपको बता दे कि जम्मू कश्मीर में रविवार 17 सितम्बर को पांचवे दिन एनकाउंटर जारी है। बताया जा रहा है कि शनिवार को सेना ने एक आंतकी को मार गिराया था।

बुजुर्ग के खाते से लाखों की नगदी निकाली

भीलवाड़ा, (निस)। करेड़ा थाना पुलिस ने 62 साल के एक बुजुर्ग के बैंक खाते में खुद के मोबाइल नंबर ऐड कर धोखाधड़ी पूर्वक लाखों की नगदी निकाल लेने के मामले में ई-मित्र संचालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

करेड़ा पुलिस ने बताया कि उदयरामजी का गुडा निवासी 62 वर्षीय बालु पुत्र उदा तेली ने सरगती निवासी शांतिलाल पुत्र सोहनलाल पारीक के खिलाफ रिपोर्ट दी। बालु ने रिपोर्ट में बताया कि उसने 21 जुलाई 2015 को चिलेश्वर में स्थित ई-मित्र केन्द्र से बैंक ऑफ बड़ोदा शाखा करेड़ा में एक बचत खाता खुलवाया था। तब ई-मित्र संचालक ने परिवादी के बैंक ऑफ बड़ोदा में खोले बचत खाते में अपने मोबाइल नंबर डाल दिये। इससे परिवादी के खाते में आने वाली सरकारी सहायता यथा वृद्धा पेंशन, पी.एम. किसान योजना की राशी व कृषि आरजियात पर मिलने वाली छूट आदि के मैसेज आरोपी के मोबाईल पर जाने लगे, जिससे आरोपी ने अब तक कुल 1 लाख 58 हजार 842 रुपये परिवादी के खाते से निकाल लिये। उसे इसकी जानकारी हाल ही में बैंक में पुछताछ के बाद हुई जब बैंक कर्मियों ने खाते में पैसे नही होने की बात कही। इस पर परिवादी ने सोचा कि उसकी सरकारी सहायता बंद हो गई है।

नाबालिग से छेड़छाड़ का मामला दर्ज

हनुमानगढ़, (निसं)। साइकिल पर घर लौट रही नाबालिग छात्रा के साथ उसी की गली में रहने वाले युवक ने रास्ते में छेड़छाड़ की। इस मामले में नाबालिग की मां ने महिला पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है। महिला ने बताया कि उसकी नाबालिग बेटी एक सेंटर पर कंप्यूटर कोर्स के लिए साइकिल पर आती-जाती है। उसकी बेटी 12 सितम्बर को सुबह करीब पौने 12 बजे सेंटर से साइकिल पर घर आ रही थी। जैसे ही उसकी बेटी गुरुद्वारा के पास पहुंची तो अचानक सफेद रंग की स्कूटी पर उनके मोहल्ले का युवक आया और आते ही उसकी बेटी के साथ छेड़छाड़ करने लगा। उसकी बेटी ने धक्का दिया तो प्रकाश स्कूटी लेकर भाग गया। पुलिस ने प्रकाश के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

जांच अधिकारी थाना प्रभारी भजनलाल लावा ने बताया कि नाबालिग के साथ छेड़छाड़ का मामला संज्ञान में आने पर बाल कल्याण समिति अध्यक्ष जितेन्द्र गोयल ने समिति सदस्य प्रेमचन्द शर्मा के साथ महिला पुलिस थाने पहुंचकर नाबालिग से बात की। साथ ही थाना प्रभारी को मामले की गहनता से जांच कर न्याय दिलाने के लिए निर्देश दिए।

समाज में शिक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही संस्कारों के निर्माण पर भी ध्यान देना आवश्यक है : कलराज मिश्र

महाराजा सूरजमल बृज वि.वि. कुम्हेर के नवीन प्रशासनिक भवन एवं कुलपति सचिवालय का लोकार्पण किया

भरतपुर/डीग, (निसं)। राज्यपाल कलराज मिश्र के मुख्य आतिथ्य में पंचायत समिति रूपवास के ग्राम खानुआं में आदर्श विद्या मंदिर के नवनिर्मित विद्या भारती विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेन्द्र प्रसाद खेतान ने की तथा कार्यक्रम पूर्व अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर भरतराम कुम्हार, समाजसेवी एवं एआईए की अध्यक्ष डॉ. उर्मिलेश आर्य, डॉ. यशपाल आर्य, महेन्द्र सिंह मग्गो एवं शिव प्रसाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राज्यपाल कलराज मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि समाज में शिक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही संस्कारों के निर्माण पर भी ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कोई राष्ट्र अपनी संस्कृति और जीवन मूल्यों को बचाए रखने के साथ नई पीढ़ी को इनके लिए तैयार करने का कार्य करता है तभी उसकी सार्थकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य की ज्ञान संपदा में वृद्धि के साथ सभी जीवों के प्रति सम्मान का भाव जागृत करना है।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने खानुआँ में विद्या भारती के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया।

- पंचायत समिति रूपवास के ग्राम खानुआं में आदर्श विद्या मंदिर के नवनिर्मित विद्या भारती विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि सूक्ष्म निरीक्षण, अनुभव विस्तार और निरंतर अध्ययन किसी भी विद्यार्थी को सफलताओ के शीर्ष पर पहुंचा सकता है। इस दिशा में विद्या भारतीय संस्थान ने जो कार्य देश-विदेश में किया है, वह अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि भरतपुर जिले में राणा सांगा की युद्ध स्थली खानुआ में इस तरह का शिक्षण संस्थान खुला है। कार्यक्रम के दौरान विद्या भारती संस्थान के द्वारा राणा सांगा की प्रतिकात्मक मूरत माननीय राज्यपाल को भेंट की गयी। इस अवसर पर सम्भागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, जिला कलक्टर लोक बंधु, जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन रतन कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर श्वेता यादव, जिला रसद अधिकारी भारती भारद्वाज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र सिंह, राजस्व अपील अधिकारी अखिलेश पिप्पल सहित जिला स्तरीय अधिकारी, विद्या भारती संस्थान, आदर्श विद्या मंदिर संस्थान के प्राचार्य, विद्यालय के शिक्षक एवं कार्मिक, छात्र-छात्राएं एवं गणमाण्य नागरिक मौजूद रहे।

डीग संवाददाता के अनुसार :- राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार को कुम्हेर स्थित महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के नवीन प्रशासनिक भवन एवं कुलपति सचिवालय, का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर, विद्यार्थी गतिविधि केंद्र, महारानी किशोरी कन्या छात्रावास, स्वामी विवेकानंद छात्रावास, स्वामी दयानंद सरस्वती ट्रांजिट हॉस्टल का शिलान्यास कर अकादमी भवन का भूमि पूजन किया। कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के एकेडमिक करिकुलम पर आयोजित कार्यशाला का आयोजन भी किया गया।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि शैक्षणिक गुणवत्ता जरूरी है परन्तु उससे भी जरूरी यह है कि अध्ययन-अध्यापन में युगानुरूप आवश्यकताओं का समावेश हो। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मौलिक शोध की संस्कृति के नए आयाम स्थापित करने की अपील की। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त भरतपुर सांवरमल वर्मा, जिला कलेक्टर डीग शरद मेहरा, पुलिस अधीक्षक डीग बृजेश ज्योति उपाध्याय, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रणजीत सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुमनाराम, उपखंड अधिकारी डीग रवि कुमार गोयल, उपखंड अधिकारी कुम्हेर देवेंद्र सिंह परमार, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. रमेश चन्द्रा सहित अन्य अधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

मैं उम्मीद कर रही हूं कि जल्दी मामला सुलझ जायेगा । मैने अनुरोध किया है कि उन्हें (राणा को) मेरे साथ बड़े टूर्नामेंटों में भेजा जाये।
- मनु भाकर

भारतीय निशानेबाज, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में अपने निजी कोच जसपाल राणा को साथ ले जाने की अनुमति नहीं मिलने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **साइना नेहवाल**

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल का आगामी एशियाई खेलों के पहले एथलीट समिति चुनाव में दक्षिण एशिया क्षेत्र से निर्विरोध चुना जाना तय है। एशियाई ओलंपिक परिषद पहली बार एथलीट समिति के 10 सदस्यों को चुनने के लिए एथलीटों के बीच मतदान करा रही है। दक्षिण पूर्व एशिया से नामांकन करने वाली एकमात्र महिला खिलाड़ी के तौर पर साइना का चुनाव पक्का है। ओसीए ने घोषणा की है कि एथलीट 18 सितंबर से छह अक्टूबर तक छह मतदान केंद्रों में से एक पर मतदान कर सकेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... वेस्टइंडीज के क्रिकेटर ब्रायन लारा ने 131 टेस्टों में 52.88 की औसत से 11953 बनाए है।

सिराज के कमाल से श्रीलंका को रौंद भारत 8वीं बार एशिया कप चैम्पियन बना

सिराज ने की ग्राउंड स्टाफ की तारीफ

कोलंबो 17 सितंबर। खराब मौसम और बारिश के बीच एशिया कप की सफल मेजबानी करने में महती भूमिका निभाने वाले प्रेमदासा स्टेडियम के ग्राउंड स्टाफ की रविवार को सर्वत्र सराहना की गयी और उपहार स्वरूप आयोजकों ने उन्हे 50 हजार अमेरिकी डालर के पुरस्कार से नवाजा वहीं भारत की जीत में अहम योगदान देने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने खुद को मिली इनामी राशि भी ग्राउंड स्टाफ को देने की पेशकश की। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दस विकेट से ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुये एशिया कप का खिताब आठवीं बार अपने नाम किया है। इस जीत में सिराज की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही जिन्होने श्रीलंका के छह बल्लेबाजों को आउट कर मैच को एकतरफा बना दिया। उनकी इस उपलब्धि के लिये उन्हे प्लेयर आफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। सम्मान समारोह में रवि शास्त्री ने मोहम्मद सिराज को मंच पर बुलाया और उन्हे पांच हजार डालर का चेक उपहार स्वरूप दिया। सिराज ने बड़ी सहजता से कहा कि ग्राउंड स्टाफ की कड़ी मेहनत और सहयोग से एशिया कप को निर्विघ्न संपन्न कराया गया है। इसलिये वह समझते हैं कि इसके लिये वह इस पुरस्कार राशि के सही पात्र हैं। ग्रांउड स्टाफ ने विपरीत परिस्थितियों में काम किया जिसके चलते बारिश के बावजूद यहां मैच खेले जा सके। बाद में आयोजकों ने भी ग्राउंड स्टाफ के कार्य की सराहना करते हुये उन्हे 50 हजार डालर का चेक उपहार स्वरूप प्रदान किया जिसका ग्राउंड स्टाफ ने ताली बजा कर स्वागत किया।

कोलंबो 17 सितंबर। मोहम्मद सिराज (21 रन पर छह विकेट) और हार्दिक पंड्या (तीन रन पर तीन विकेट) की कातिलाना गेंदबाजी की बदौलत भारत ने रविवार को गत विजेता श्रीलंका को दस विकेट से रौंद कर आठवीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। एशिया कप समेत एक दिवसीय क्रिकेट के इतिहास में भारत की यह अब तक की सबसे बड़ी जीत है। भारत को पांच साल के अंतराल के बाद एशिया कप की चमचमाती ट्राफी अपने घर लाने का मौका मिला है। इससे पहले वर्ष 2018 में भारत ने एशिया कप जीता था।

इस ऐतिहासिक जीत का सेहरा करिश्मायी गेंदबाज हैदराबाद के मोहम्मद सिराज के सिर पर बंधा जिन्होने अपनी लहराती गेंदों से श्रीलंका के शीर्ष क्रम को तहस नहस कर दिया और मेजबान टीम 15.2 ओवर के खेल में महज 50 रन ही बना सकी। इसके साथ ही करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सिराज सबसे तेज गति से एक दिवसीय 50 विकेट लेकर चौथे भारतीय गेंदबाज बन गये हैं। जवाब में भारत के इशान किशन (23) और शुभमन गिल (27) ने औपचारिकता निभाते हुये 6.1 ओवर में 51 रन बना कर भारत के नाम ऐतिहासिक जीत दर्ज करा दी। एक दिवसीय क्रिकेट के इतिहास में भारत की लक्ष्य का पीछा करते हुये यह अब तक की सबसे बड़ी जीत है। भारत ने सबसे ज्यादा आठ बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया है। भारत की यह जीत अगले महीने शुरू हो रहे विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिये संजीवनी साबित होगी। कप्तान रोहित शर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करते हुये लक्ष्य का पीछा करने का मौका शुभमन गिल के साथ युवा इशान किशन को दिया जो तेज गति से खेलते हुये कप्तान के भरोसे पर खरे उतरे।

क्रिकेट के दीवानो द्वारा दिये गये उपनाम मियां मैजिक यानी मोहम्मद सिराज के करिश्माई प्रदर्शन से आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच श्रीलंका की बल्लेबाजी के कब्रगाह बन गयी। हल्की बरसात के कारण करीब 40 मिनट की देरी से शुरू हुये मैच में सिराज ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुये अपने दूसरे ओवर में एक के बाद एक चार विकेट (पथुम निसंका,सदीरा समराविक्रमा,चरिथ असलंका, धनजंय डिसिल्वा) चटका कर श्रीलंका को मुश्किलों के दलदल में धकेल दिया। इस दलदल से फंसी श्रीलंका की पारी ने छटपटाते हुये 15.2 ओवर के खेल में 50 रन पर दम तोड़ दिया। यह स्कोर एक दिवसीय क्रिकेट इतिहास का तीसरा सबसे कम स्कोर है जबकि एशिया कप के इतिहास में यह किसी टीम द्वारा बनाया गया सबसे कम स्कोर है।

श्रीलंका की ओर से कुसल मेंडिस ने सबसे ज्यादा 17 रन बनाये जबकि महीश थीझणा के स्थान पर टीम में लिये गये दुसान हेमंता 13 रन बनाकर नाबाद लौटे। सिराज को दूसरे छोर पर जसप्रीत बुमराह (23 रन पर एक विकेट) और हार्दिक पंडया का भरपूर साथ मिला। अपने पहले ही ओवर में बुमराह ने कुसल परेरा को शून्य पर आउट कर मेजबान टीम पर दवाब बनाया जबकि बाद में पंड्या ने दुनिथ वेल्लालगे (13),प्रमोद मदुशन (1) और मथीसा पथिराना (0) को सस्ते में चलता कर टीम इंडिया को अपना आठंवा एशिया कप खिताब जीतने का जश्न मनाने का मौका दे दिया। श्रीलंका के आठ बल्लेबाज अपने निजी स्कोर को दहाई के स्थान पर नहीं ले जा सके जिनमें पांच तो अपना खाता भी नहीं खोल सके।

लाइन और लेंथ एक्जिक्यूट किया और विकेट मिलते चले गये : सिराज

कोलंबो 17 सितंबर। एशिया कप फ़ाइनल में अपनी करिश्मायी गेंदबाजी से श्रीलंका की बखिया उधेड़ने वाले भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि रविवार को प्रेमदासा स्टेडियम की पिच पर डाला गया स्पेल सपने के माफिक है। उन्होने बस लाइन और लेंथ एक्ज़िक्यूट किया और विकेट मिलते चले गये। सिराज ने अपने दूसरे ओवर में चार शीर्ष बल्लेबाजों को आउट कर श्रीलंका की पारी को तहस नहस कर दिया। यह कारनामा करने वाले वह पहले भारतीय हैं। उन्होंने अपने सात ओवरों के स्पेल में 21 रन देकर छह विकेट लिए जिसके चलते श्रीलंका की पारी महज 50 रन पर सिमट गयी। सिराज ने नई गेंद से स्विंग निकालते हुए करिश्माई गेंदबाज़ी की। उन्होंने मैच के बाद प्रेज़ेंटेशन में कहा, काफ़ी टाइम से मैं अच्छी गेंदबाज़ी कर रहा था और खाली वो (बल्लेबाज़) बीट हो रहे थे। आज एज लग रहे थे और मेरी कोशिश थी कि एज को जितनी बार ले सकें। यह विकेट सीम होता आया है लेकिन आज स्विंग भी हो रहा था। मैंने कोशिश की कि बल्लेबाज़ों को ज़्यादा से ज़्यादा खिलाया जाए। मैंने सोचा स्विंग हो रहा है तो थोड़ा ऊपर डालता हूं। वह ड्राइव मारने जाएंगे तो कैच हो सकते हैं। पिच बहुत अच्छा था और थोड़ा अच्छा स्विंग ले रहा था और शुरू में थोड़ी नमी भी मुझे लगी पिच पर। मैंने एक्ज़िक्यूट किया और वह अच्छा था। उन्होने कहा, मैंने पिछली बार श्रीलंका के साथ त्रिवेंद्रम में ऐसा किया था और चार विकेट लिए थे। लेकिन मैं पांच विकेट नहीं लिया था। तब मुझे समझ आया था जितना नसीब में होता है उतना ही मिलता है, कोशिश आप जितना भी कर लो। यहां पर प्लान स्पष्ट था, लाइन और लेंथ एक्ज़िक्यूट करना है और विकेट मिलते रहे। चौथे ओवर की पहली गेंद पर पथुम निसंका हवा में ड्राइव करते हुए प्वाइंट पर कैच आउट हुए। दो गेंद बाद सदीरा समराविक्रमा अंदर आती गेंद पर स्टंप के सामने टिके रहे और पगबाधा हुए। अगली गेंद पर चरिथ असलंका ने कवर की दिशा में एक फ़ुल गेंद को धकेल दिया। ओवर की आख़िरी गेंद पर धनंजय डीसिल्वा ड्राइव लगाते हुए विकेट के पीछे कैच आउट हुए। सिराज ने दसुन शानका और कुसल मेंडिस दोनों को बोल्ड करते हुए अपने छह विकेट पूरे किए।

भारत और श्रीलंका के मैच में लगी रिकार्डों की झडी

कोलंबो, 17 सितंबर। भारत और श्रीलंका के बीच रविवार को यहां खेले गए एशिया कप फाइनल में कई नए रिकॉर्ड बने। भारत ने यह मैच 10 विकेट से जीतकर एशिया कप में आठवां खिताब जीता। मोहम्मद सिराज के छह विकेट के दम पर श्रीलंका की टीम केवल 50 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने केवल 6.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर दिया।

इस मैच में बने रिकॉर्ड इस तरह से हैं :

श्रीलंका का स्कोर पांचवा विकेट गिरने पर 12 रन था जो इस मुकाम पर उसका भारत के खिलाफ न्यूनतम स्कोर था। इसी स्कोर पर उसने अपना छठा विकेट गंवाया जो आईसीसी के पूर्णकालिक सदस्य देश का वनडे में इस मुकाम पर न्यूनतम स्कोर है।

सिराज ने इस मैच में वनडे में 50 विकेट पूरे किए। उन्होंने इस मुकाम पर पहुंचने के लिए 1002 गेंदे की। इस प्रारूप में वह सबसे कम गेंदों में 50 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। रिकॉर्ड श्रीलंका के अजंता मेंडिस (847 गेंद) के नाम पर है।

श्रीलंका ने 50 रन बनाए जो उसका वनडे में भारत के खिलाफ न्यूनतम स्कोर है। किसी वनडे फाइनल में भी यह सबसे कम स्कोर है।

सिराज ने 21 रन देकर छह विकेट लिए जो श्रीलंका के खिलाफ वनडे में किसी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

यह एशिया कप वनडे के इतिहास में केवल दूसरा मौका है जबकि सभी 10 विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए। वर्तमान एशिया कप में पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने भारत के खिलाफ यह कारनामा किया था। यह मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था।

सिराज का प्रदर्शन किसी वनडे फाइनल में भारत की तरफ से तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह वनडे फाइनल में भारतीय गेंदबाज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। अनिल कुंबले ने 1993 में हीरो का फाइनल में 12 रन देकर छह विकेट लिए थे।

सिराज वनडे क्रिकेट में एक ओवर में चार विकेट लेने वाले भारत के पहले गेंदबाज बन गए हैं। वह आशीष नेहरा के बाद दूसरे ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 6 विकेट लिए।

भारत पहली ऐसी टीम बन गई है जिसने वनडे फाइनल में दो अवसरों पर 10 विकेट से जीत दर्ज की। उसने 1998 में शारजाह में जिंबाब्वे को 10 विकेट से हराया था।

भारत ने 263 गेंद शेष रहते हुए जीत दर्ज की जो इस मामले में उसकी सबसे बड़ी जीत है। वनडे फाइनल में यह गेंद शेष रहने के मामले में सबसे बड़ी जीत भी है।

इस तरह का प्रदर्शन लंबे समय तक याद रहेगा : रोहित शर्मा

कोलंबो, 17 सितंबर। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एशिया कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ टीम के शानदार प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास लंबे समय तक याद रखे जायेंगे । मोहम्मद सिराज ने सात ओवर में 21 रन देकर छह विकेट लिये जिसकी मदद से भारत ने श्रीलंका को 50 रन पर आउट कर दिया । जवाब में यह लक्ष्य 6 . 1 ओवर में एक भी विकेट गंवाये बिना हासिल कर लिया । रोहित ने मैच के बाद कहा ,“ यह शानदार प्रदर्शन था । फाइनल में इस तरह खेलना शानदार था । इससे टीम की मानसिकता पता चलती है । इस तरह का प्रदर्शन लंबे समय तक याद रखा जायेगा ।” उन्होंने कहा ,“ हमारे तेज गेंदबाज काफी समय से मेहनत कर रहे हैं । उन्हें इस तरह का प्रदर्शन करते देखना सुखद था । मैंने कभी सोचा नहीं था कि गेंद इतनी घूमेगी ।” उन्होंने कहा ,“ हालात के अलावा यह खिलाड़ियों के हुनर की भी बात है । यह काफी दुर्लभ है। सिराज के जैसा प्रदर्शन बार बार देखने को नहीं मिलता । सभी खिलाड़ियों ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया ।” विश्व कप से पहले भारत को आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला और दो अभ्यास मैच खेलने हैं । रोहित ने कहा कि टीम सही दिशा में जा रही है । उन्होंने कहा ,“ यह देखकर अच्छा लग रहा है कि टीम इस तरह के आत्मविश्वास के साथ सही दिशा में जा रही है । पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में चार विकेट गिरने के बाद हार्दिक और ईशान ने हमें बड़े स्कोर तक पहुंचाया । इसके बाद दूसरे मैच में विराट और केएल राहुल ने शानदार बल्लेबाजी की ।” उन्होंने कहा ,“ गिल भी बेहतरीन फॉर्म में है । उसे बल्लेबाजी करना पसंद है । अलग अलग समय पर अलग अलग खिलाड़ियों ने टीम को संकट से निकाला ।”

विश्व कप के करीब चोट लगने का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है : राहुल द्रविड़

कोलंबो, 17 सितंबर। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने रविवार को संकेत दिया कि श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ियों की चोटों के कारण उनकी टीम को एकदिवसीय विश्व कप में नुकसान उठाना पड़ सकता है और खिलाड़ियों के प्रबंधन का काम 'पेचीदा' हो जाएगा।

अय्यर पीठ की जकड़न के कारण एशिया कप के केवल शुरुआती दो मैच ही खेल सके जबकि इससे पहले उन्होंने चोट के कारण छह महीने के ब्रेक के बाद वापसी की थी। बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर बाएं पैर की जांघ में खिंचाव के कारण एशिया कप फाइनल से बाहर हो गए। ये दोनों खिलाड़ी भारत की विश्व कप टीम में शामिल हैं। द्रविड़ ने एशिया कप की शुरुआत से पहले कहा, ''सभी टीमें एक जैसी स्थिति में हैं, विश्व कप के करीब चोट लगने से वास्तव में आपको नुकसान हो सकता है। हमें बस दुआ करनी होगी और अपनी प्रक्रिया पर भरोसा करना होगा।''

उन्होंने कहा, ''हम पेचीदा स्थिति का सामना कर रहे हैं जहां कुछ खिलाड़ियों को आराम देने की जरूरत है जबकि कुछ खिलाड़ियों को कुछ क्रिकेट खेलने की जरूरत है। इसे हासिल करना एक पेचीदा संतुलन है।'' अय्यर के अलावा लोकेश राहुल ने भी एशिया कप में चोट के बाद वापसी की थी और अच्छा प्रदर्शन किया। फाइनल में भारत का प्रतिद्वंद्वी श्रीलंका भी अपने प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रहा है। मेजबान टीम के स्पिनर महीश तीक्षणा मांसपेशियों में चोट के कारण खिताबी मुकाबले से बाहर हो गए। इसके अलावा श्रीलंका के स्टार खिलाड़ी वानिंदु हसरंगा, दिलशान मदुशंका और दुष्मंता चमीरा चोटों के कारण पूरे एशिया कप में नहीं खेल पाए। भारत में पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले पाकिस्तान भी अपने तेज गेंदबाजों नसीम शाह और हारिस राऊफ की फिटनेस को लेकर चिंतित है।

इंग्लैंड की टीम में ब्रुक की वापसी

लंदन, 17 सितंबर। इंग्लैंड ने अगले महीने शुरू होने वाले 2023 क्रिकेट विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है जिसमें हैरी ब्रुक को जगह दी गयी है। दरअसल, इंग्लैंड ने पिछले महीने घोषित अपनी अनंतिम टीम में कुछ मजबूत विकल्प चुने थे, जिसमें ऑलराउंडर बेन स्टोक्स की वापसी हुई थी और युवा बल्लेबाज हैरी ब्रुक और स्टार तेज जोफ्रा आर्चर गायब थे लेकिन पीठ की ऐंठन के कारण जेसन रॉय न्यूजीलैंड के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे, ब्रूक की वनडे टीम में वापसी हुई है। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 24 वर्षीय खिलाड़ी की न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज सामान्य रही, जिसमें उन्होंने 25, 2 और 10 का स्कोर बनाया। रॉय के नाम 2023 में छह वनडे मैचों में दो शतक हैं और उन्हें इस सप्ताह के अंत में आयरलैंड के खिलाफ होने वाली टीम में शामिल किया जा सकता है। विश्व कप के लिए टीम में बदलाव की अंतिम तारीख 28 सितंबर है।

फ्लिक्स और केंसलो के गोल से बार्सिलोना ने बेटिस को 5-0 से हराया

बार्सीलोना, 17 सितंबर। जू फलिक्स और जू केंसेलो ने बार्सीलोना की ओर से पहली बार शुरुआती एकादश में जगह बनाते हुए गोल दागे जिससे टीम ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में रीयाल बेटिस को 5-0 से रौंद दिया।

पुर्तगाल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की इस जोड़ी ने पिछले दौर के मुकाबले में बार्सीलोना की ओर से स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में पदार्पण किया था। ये दोनों ग्रीष्मकाल की 'ट्रांस्फर विंडो' (खिलाड़ियों की अदला-बदली का समय) बंद होने से कुछ घंटों पहले ही गत चैंपियन टीम से जुड़े।

फ्लिक्स ने शनिवार को हुए मुकाबले में पहला गोल दागा जबकि केंसेलो ने पांचवां गोल दागकर गत चैंपियन टीम की मौजूदा सत्र की सबसे बड़ी जीत सुनिश्चित की। टीम की ओर से अन्य गोल रॉबर्ट लेवानदोवस्की, फेरान टोरेस और राफिन्हा ने किए। टोरेस मई 2021 में लियोनल मेस्सी के बाद बार्सीलोना की ओर से फ्री किक पर सीधा गोल दागने वाले पहले खिलाड़ी बने।

इस जीत से बार्सीलोना अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है और उसने रीयाल मैड्रिड पर एक अंक की बढ़त बना ली है जिसे रविवार को रीयाल सोसीदाद से खेलना है। दिन के अन्य मुकाबलों में एथलेटिक बिलबाओ ने केडिस के 3-0 से हराया जबकि मालोर्का ने सेल्टा विगो को 1-0 से शिकस्त दी।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत दौरे के लिए की वनडे टीम की घोषणा

सिडनी, 17 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ 22 सितंबर से शुरू होने वाली वनडे सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए कप्तान पैट कमिंस समेत कई अहम खिलाड़ियों की वापसी से ऑस्ट्रेलिया को मजबूती मिली है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान कमिंस और स्टीव स्मिथ कलाई की चोटों से उबर रहे थे, जबकि मिशेल स्टार्क को कमर और कंधे में दर्द की शिकायत थी। ग्लेन मैक्सवेल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले टखने की चोट का शिकार हो गये थे और बाद में वह अपने बच्चे के जन्म के लिए घर वापस चले गए।

ऑस्ट्रेलिया टीम: पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क , मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा।

न्यूज़ीलैंड वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश ने प्रमुख खिलाड़ियों को दिया आराम

ढाका 17 सितंबर। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने इस महीने के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान में पहले दो एकदिवसीय (वनडे) के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का एलान किया है। जिसमें उसने अपने महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को आराम देने का फैसला किया है।

आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 को ध्यान में रखते हुए बंगलादेश ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों के लिए अपने महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को आराम दिया है। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि शाकिब अल हसन की अनुपस्थिति में लिटन दास बंगलादेशी टीम की कप्तान का भार संभालेंगे। जिन खिलाड़ियों को आराम दिए गए उनमें मुश्फिकुर रहीम, मेहदी हसन मिराज और तस्कीन अहमद, हसन महमूद और शोरफुल इस्लाम की पेस बैटरी शामिल हैं।

इन खिलाड़ियों को आराम दिए जाने के बावजूद बंगलादेश टीम को तमीम इकबाल, महमूद उल्लाह, सौम्य सरकार और नुरुल हसन सोहन की वापसी से अनुभव की कोई कमी नहीं होगी। बंगलादेशी टाइगर्स में तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है जिनमें साउथपॉ जाकिर हसन, तेज गेंदबाज खालिद अहमद और लेग स्पिनर रिशाद हुसैन हैं। तीनों खिलाड़ी एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान डेब्यू के लिए उतारे जा सकते हैं। नईम शेख, अफीफ हुसैन और शमीम हुसैन एशिया कप टीम के दुर्भाग्यशाली खिलाड़ी थे।

बंगलादेशी टीम में जिन खिलाड़ियों का जगह मिली है उनमें लिटन दास (कप्तान), तमीम इकबाल, सौम्य सरकार, अनामुल हक, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह, नुरुल हसन सोहन, महेदी हसन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन, तनजीद हसन, जाकिर हसन, रिशाद हुसैन, खालिद अहमद हैं।

डेविस कप : जीत के साथ बोपन्ना की विदाई, भारत 4-1 से जीता

लखनऊ, 17 सितंबर। रोहन बोपन्ना ने रविवार को यहां डेविस कप विश्व ग्रुप -2 के युगल मुकाबले में अपने जोड़ीदार युकी भांबरी के साथ मोरक्को के खिलाफ जीत दर्ज कर प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपने शानदार करियर को अलविदा कर दिया वहीं सुमित नागल और दिग्विजय प्रताप सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को घुटनों पर बैठा कर अपने सीनियर के विदाई टूर्नामेंट को यादगार बना दिया। भारत इसके साथ मोरक्को के खिलाफ 4-1 से जीत दर्ज कर अगले साल होने वाले विश्व ग्रुप एक के प्ले आफ में पहुंच गया है।

विजयंतखंड स्टेडियम के हार्ड कोर्ट पर बोपन्ना और युकी भांबरी ने एकतरफा मुकाबले में मोरक्को के इलियट बेनचेट्रिट और यूनुस लालामी लारौसी की जोड़ी को सीधे सेटों में 6-2,6-1 से हरा दिया जबकि शीर्ष वरीय सुमित नागल ने रिवर्स सिंगल में यासीन डिलिमी को 6-3,6-3 से हरा कर डेविस कप ग्रुप-2 अभियान में भारत की जीत का मार्ग प्रशस्त कर दिया। बाद में दिग्विजय सिंह ने आहूदा वलीद को 6-1,5-7,10-6 से हरा कर जीत के फासले को 4-1 कर दिया। नागल ने इससे पहले शनिवार को मोरक्को के प्रतिद्वंदी एडम माउंडिर को सीधे सेटों मे हराया था हालांकि शशिकुमार मुकुंद मोरक्को के यासीन डिलिमी के खिलाफ मैराथन एकल मुकाबले में उमस से हार मान कर मुकाबले से हट गये थे जिसके चलते डिलिमी को उस मैच में जीत मिली थी।

यह दूसरा मौका है जब नागल ने डेविस कप के किसी मुकाबले में अपने दोनों एकल मैच जीते। इससे पहले उन्होंने 2019 में कजाखस्तान में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में यह कारनामा किया था। इस जीत से भारत अगले साल होने वाले विश्व ग्रुप एक के प्लेऑफ में पहुंच गया है। 43 वर्षीय रोहन बोपन्ना का डेविस कप करियर में यह आखिरी मुकाबला था। उन्होने अपने जोड़ीदार युकी भांबरी के साथ विजयंत खंड हार्ड कोर्ट में खेले गये मैच में मोरक्को के खिलाड़ियों के पांव जमने से पहले ही उखाड़ दिये। अमेरिकी ओपन में युगल वर्ग का फाइनल खेल कर लखनऊ आये विश्व के नंबर सात खिलाड़ी ने कोर्ट में अपने अनुभव का भरपूर इस्तेमाल किया और एक घंटे 11 मिनट तक चले मैच में अपने प्रतिद्वंदियों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

जीत के बाद कोर्ट पर मौजूद प्रशंसकों ने खड़े होकर ताली बजाते हुये उनको विदाई दी। भावुक बोपन्ना ने कोर्ट पर भारतीय टीम की जर्सी उतार कर डेविस कप को अलविदा कहा। भारत के उम्रदराज खिलाड़ी ने डेविस कप के करियर के दौरान 13 युगल मुकाबलों समेत कुल 33 मैच खेले जिनमें से 23 में उनके खाते में जीत आयी। इस मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी कमजोर दिख रही मोरक्को पर पूरी तरह हावी रहे। मोरक्को के खिलाड़ी अपनी सर्विस बचाने के लिये संघर्ष करते नजर आये।

एशियाई खेल युवाओं के लिए सुनहरा अवसर : इगोर स्टिमक

नई दिल्ली, 17 सितंबर। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने कहा कि एशियाई खेल उनकी टीम के युवा खिलाड़ियों को अपनी क्षमता साबित करने का मौका देंगे। भारतीय टीम रविवार को हांगझाऊ के लिये रवाना हो गयी। भारत 19 सितंबर को पहले मैच में मेजबान चीन से लोहा लेगा जबकि 21 सितंबर को उसका मुकाबला बांग्लादेश और 24 सितंबर को म्यांमार से होगा। टीम की रवानगी से पहले मीडिया से बात करते हुए स्टिमैक ने कहा, जो खिलाड़ी टीम में मुख्य रूप से सूची में नहीं हैं, उनके सामने शानदार मौका है। उनके लिए खुद को साबित करना, अपने सपनों को हासिल करना और यह साबित करना कि वे आईएसएल और अपने क्लबों में बेहतर अवसरों के हकदार हैं।

कोच ने कहा मेरी पहली सूची में किसी भी वरिष्ठ खिलाड़ी के शामिल न होने का एक कारण युवा पीढ़ी में मेरा विश्वास था और ऐसा इसलिए था क्योंकि मैंने यहां अपने काम के पहले ही दिन सीनियर राष्ट्रीय टीम के दरवाजे उनके लिए व्यापक रूप से खोल दिए थे। इसलिए मैं वरिष्ठ खिलाड़ियों के बिना भी वहां जाने को लेकर आश्वस्त हूं। केनक्रे एफसी के अजफर नूरानी पिछले सीज़न के आई-लीग के एकमात्र खिलाड़ी हैं।

एशिया कप के फाइनल में भारत ने श्रीलंका को हराकर यह खिताब अपने नाम कर लिया है। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुये बहुत ही बेहतरीन शुरुआत की और गेंदबाज मोहम्मद सिराज के 21 रन पर 6 विकेट के प्रदर्शन के बदौलत श्रीलंका की पूरी टीम को मात्र 50 रन पर समेट दिया। भारत ने मात्र 51 रन के लक्ष्य को बिना विकेट गंवाये हासिल कर लिया और यह मैच 10 विकेट से अपने नाम कर लिया। एशिया कप जीतने के बाद उत्साहित भारतीय टीम ने जमकर जश्न मनाया। गौरतलब है कि, भारतीय टीम ने बहुत समय बाद कोई बड़ा टाइटल अपने नाम किया है।

'पूर्व मु.मंत्री नायडू 371 करोड़ के घोटाले के इकलौते कर्ताधर्ता हैं'

आंध्र प्रदेश सी.आई.डी. के प्रमुख ने प्रैस में बताया कि, चंद्राबाबू नायडू ने इस प्रोजैक्ट की कुल रकम का 90 फीसदी हिस्सा अपने जेब में डाल लिया

- **आंध्र प्रदेश सी.आई.डी. के प्रमुख ने बताया कि, यह पैसा तत्कालीन आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से मूलतः जर्मीनी की सीमेंस नामक कंपनी को नॉमिनेशन के रूप में दिया गया। इस तरह महज नॉमिनेशन के बेस पर ही पूरा पैसा सरकार के हाथों से बाहर चला गया।**
- **गौरतलब है कि, आंध्र प्रदेश के पूर्व मु.मंत्री नायडू इस समय जूडिशियल कस्टडी में जेल में हैं तथा कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका 19 सितम्बर तक के लिए स्थगित कर दी है।**

हैदराबाद, 17 सितम्बर। आंध्र प्रदेश क्राइम इन्वेस्टीगेशन डिपार्टमेंट (सी.आई.डी.) के प्रमुख एन संजय ने कौशल विकास घोटाले में चंद्रबाबू नायडू को मुख्य साजिशकर्ता बताया है। उन्होंने कहा कि, नायडू ने मुख्यमंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान इस भ्रष्टाचार का पूरा खाका तैयार किया।

दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए संजय ने कहा, यह 371 करोड़ रुपये के सरकारी धन का घोटाला है। यह पैसा तत्कालीन आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से सीमेंस नामक कंपनी को नॉमिनेशन के रूप में दिया गया।

इस तरह महज नामांकन के आधार पर ही पैसा सरकार के हाथों से बाहर चला गया। 371 करोड़ रुपये में से 241 करोड़ रुपये दूसरी प्राइवेट कंपनियों को जा रहे थे। ई.डी. की जांच में भी यह बात सामने आई।

एन. संजय ने एपी कौशल विकास घोटाले को लेकर डिटेल में जानकारी दी। उन्होंने कहा, पूरा घोटाला 90:10 फॉर्मूले के प्रोजेक्शन के कारण हुआ। सीमेंस का दावा है कि उनका इस सब से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि कंपनी का मुख्यालय तो जर्मनी में है।

दरअसल, कई लोगों को धन दिया गया था जो लोग ट्रेनिंग से जुड़े कामों में शामिल थे। उन्होंने आगे कहा कि चंद्रबाबू नायडू इस घोटाले के मुख्य साजिशकर्ता रहे। नायडू और उनके तत्कालीन कौशल विकास मंत्री ने मंत्रिपरिषद के समक्ष झूठे आंकड़े पेश किए थे।

वहीं, विजयवाड़ा की स्थानीय अदालत ने नायडू की 2 जमानत याचिकाओं पर सुनवाई 19 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी। नायडू ने जमानत के लिए अंतरिम जमानत याचिका के साथ-साथ नियमित जमानत याचिका भी दायर की है। नायडू को कौशल विकास निगम के कोष के दुरुपयोग के लिए 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

सी.आई.डी. का प्रतिनिधित्व करने वाले विशेष लोक अभियोजक वाई.एन. विवेकानंद ने बताया, अदालत ने मामले की विस्तार से सुनवाई की और इस मामले को मंगलवार यानी 19 सितंबर को पेश करने का निर्देश दिया ताकि हम जवाबी हलफनामा दाखिल कर सकें।

अंतरिम जमानत याचिका में नायडू ने अपने खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से इनकार किया और दावा किया कि उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई भी सबूत नहीं है। टी.डी.पी. प्रमुख नायडू को कौशल विकास निगम के कोष के गबन से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया गया है।

इस घोटाले की वजह से सरकार को कथित तौर पर 300 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ था। अदालत ने नायडू को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है जिसके बाद से वह राजामहेंद्रवरम केंद्रीय जेल में बंद हैं।

कर्नाटक सरकार आंतरिक कलह से परेशान, तीन उप मु.मंत्री बनेंगे

मु.मंत्री सिद्धारमैया ने उनके खिलाफ उठ रहीं विद्रोह की आवाजों को थामने के लिए पार्टी आलाकमान के समक्ष जल्द यह मुद्दा उठायेंगे

- **कर्नाटक सरकार में सहकारिता मंत्री के.एन राजन्ना के राज्य में तीन उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग सार्वजनिक तौर पर पेश की। मंत्री राजन्ना के बयान के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि, कर्नाटक सरकार में अंतर्कलह इस समय चरम पर पहँच चुकी है।**

बैंगलुरु, 17 सितम्बर। राजस्थान और छत्तीसगढ़ के बाद कर्नाटक में सरकार बनाने के बाद भी कांग्रेस पार्टी में अंतर्कलह थमने का नाम नहीं ले रही है। राज्य में तीन उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति के लिए अपने मंत्रिमंडल के भीतर से उठ रही आवाजों के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने रविवार को कहा कि इस पर अंततः आलाकमान फैसला करेगा और वह फैसले का पालन करेंगे। सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने शनिवार को कर्नाटक में तीन और डिप्टी सी.एम. रखने का विचार रखा था और कहा था कि वह 2024 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस आलाकमान के साथ इस पर चर्चा करेंगे।

कर्नाटक सरकार में सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना के बयान तीन डिप्टी सी.एम. की मांग उठाने के बाद राज्य में कांग्रेस सरकार के भीतरखाने अंतर्कलह की पोल खुल गई है। माना जा रहा है कि पार्टी में कई नेता खुश नहीं है। इस बयानबाजी पर सी.एम. सिद्धारमैया ने कहा कि यह मंत्री की निजी राय है, जो इसे पार्टी नेतृत्व के समक्ष उठाएंगे। मुख्यमंत्री ने अपनी ओर से स्पष्ट कर दिया कि इस मुद्दे पर उनका कुछ कहना नहीं है और इस पर निर्णय लेना आलाकमान का काम है।

उन्होंने कहा, उन्होंने (राजन्ना ने) अपनी राय व्यक्त की है, लेकिन अंततः फैसला आलाकमान को करना है। आलाकमान ने कहा था कि एक उपमुख्यमंत्री पर्याप्त है और एक को नियुक्त किया है। उन्होंने (राजन्ना) कहा है कि वह इस मुद्दे पर आलाकमान से बात करेंगे। तीन और डिप्टी सी.एम.।"

यहां रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, "मेरे पास (कहने के लिए) कुछ नहीं है। आखिरकार फैसला हाईकमान को करना है। हाईकमान जो भी फैसला लेगा, मैं उसका पालन करूंगा।"

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्थान में विपक्षी पार्टी में भारी गुटबाजी दिख रही है और मध्य प्रदेश में भी ऐसी स्थिति नज़र आ रही है, जहां पार्टी 3 से ज्यादा गुटों में बंटी है, इस स्थिति को देखते हुए कांग्रेस में इन दोनों राज्यों और छत्तीसगढ़ में आसानी से जीतने का आत्मविश्वास पैदा हुआ है।

तेलंगाना में भी कांग्रेस टक्कर दे रही है और इस समय सत्तारूढ़ बी.आर.एस. के लिए मुख्य चुनौती नज़र आ रही है तथा मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव असहज महसूस कर रहे हैं। कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने कहा कि, उसे पूर्ण विश्वास है कि, पांचों राज्यों में कांग्रेस को निर्णायक जनमत प्राप्त होगा। तेलंगाना में कांग्रेस की वापसी उस भारी रैली से नज़र आई जो सी.डब्ल्यु.सी. मीटिंग के समापन पर आयोजित की गई थी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गाँधी ने पांच राज्यों के लिए होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कई लोक लुभावन घोषणाएं कीं, जैसी कर्नाटक में की गई थीं।

सी.डब्ल्यू.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अजय माकन और पंजाब कांग्रेस विधानसभा के नेता प्रताप बाजवा ने सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, अगर आप पर भरोसा है, तो वह उन राज्यों में प्रचार क्यों करती है जहां भाजपा बनाम कांग्रेस की सीधी लड़ाई है? क्या इससे भाजपा को मदद नहीं मिल रही? यह बात छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के हाल के कैंपेन्स को लेकर कही गई।

गौरतलब है कि, दिल्ली और पंजाब दोनों ही जगहों पर कांग्रेस को आप से नुकसान हुआ है, इसलिए राज्यों के नेता इसे लेकर काफी सावधानी बरत रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इन चिंताओं को ध्यान से सुना और उन्हें स्वीकार भी किया। हालांकि, उन्होंने पार्टी नेताओं का आश्वासन दिया कि आगे कोई भी फैसला स्टेट यूनिट से बातचीत के बाद ही लिया जाएगा। मालूम हो कि भोपाल में इंडिया गठबंधन की अगली बैठक होनी है। यहां सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दिया जा सकता है। कांग्रेस दिल्ली और पंजाब जैसे क्षेत्रों में आप को कोई जगह नहीं देना चाहती। ऐसे में व्यक्तिगत हित के साथ गठबंधन बनाए रखना बड़ी चुनौती होगी।

गलती से गोली चली, जवान की मौत

श्रीनगर, 17 सितंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में रविवार को दुर्घटनावश गोली चलने से सेना के एक जवान की जान चली गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, हथियार से दुर्घटनावश गोली चल गयी,

- **जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में रविवार को दुर्घटनावश गोली चलने से सेना के एक जवान की जान चली गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।**

जिसके परिणामस्वरूप एक घातक दुर्घटना हुई और सेना के दो जवान घायल हो गये। इनमें से एक ने बाद में दम तोड़ दिया।

उन्होंने कहा कि इस मामले में एक सैन्यकर्मी को हिरासत में लिया गया है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मणिपुर में सेना के जवान का अपहरण कर हत्या, शव गांव में फेंका

जवान छुट्टियों पर घर लौटा था, हथियारबंद हमलावर मासूम बच्चे के सामने ही जवान को उठाकर ले गये

- **सुबह 10 अज्ञात हमलावरों ने सीपॉय कोम का उनके घर से अपहरण कर लिया। घटना का एकमात्र चश्मदीद जवान का 10 साल का बेटा है।**
- **अधिकारियों के मुताबिक, बेटे ने बताया कि, तीन लोग उसके घर के अंदर घुसे। उस वक्त वह अपने पिता के साथ पोर्च में काम कर रहा था। हथियारबंद लोगों ने सीपॉय के माथे पर पिस्टल सटा दी और उसे एक सफेद वाहन में बिठाकर वहां से निकल गए।**

इम्फाल, 17 सितम्बर। मणिपुर में भारतीय सेना के जवान का अपहरण करके उसकी हत्या करने का मामला सामने आया है। यह जवान छुट्टी पर आया हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि उसका शव रविवार को मणिपुर के इंफाल पूर्व जिला स्थित खुनींगथेक गांव में पाया गया। मारे गए जवान की पहचान सीपॉय सेर्तो थांगथैंग कोम के रूप में हुई है। वह आर्मी के डिफेंस सिक्योरिटी कोर प्लाटून में कांगपोक्पी स्थित लीमाखोंग में तैनता थे। मारा गया जवान पश्चिमी इंफाल के तारुंग का रहने वाला था। जिस वक्त जवान का अपहरण हुआ, उसका मासूम बेटा भी वहीं पर मौजूद था।

अधिकारियों ने बताया कि सीपॉय कोम छुट्टी पर घर आए हुए थे। सुबह 10 अज्ञात हथियारधारियों ने सीपॉय कोम का उनके घर से अपहरण कर लिया। घटना का एकमात्र चश्मदीद जवान का 10 साल का बेटा है। अधिकारियों के मुताबिक बेटे ने बताया कि तीन लोग उसके घर के अंदर घुसे। उस वक्त वह अपने पिता के साथ पोर्च में काम कर रहा था। हथियारबंद लोगों ने सीपॉय के माथे पर पिस्टल सटा दी और उसे एक सफेद वाहन में बिठाकर वहां से निकल गए।

परिवार की मदद के लिए सेना के जवानों को भेजा गया है। मृत जवान का अंतिम संस्कार परिवार की इच्छानुसार किया जाएगा।

प्र.मंत्री के जन्मदिन पर हैलमेट बांटने का रिकॉड बना

जयपुर, 17 सितम्बर (का.सं.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और चित्तौडगढ़ सांसद सी.पी. जोशी की मौजूदगी में आज चित्तौडगढ़ सेवा संस्थान द्वारा इंदिरा गांधी स्टेडियम में "नमो सुरक्षा कवच" कार्यक्रम में 18000 हैलमेट निःशुल्क वितरित किए गए। निःशुल्क हैलमेट वितरित करने का यह एक विश्व रिकॉर्ड बना है। सी.पी.जोशी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उन्होंने युवाओं को यातायात नियमों का पालन

- **भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी की मौजूदगी में "नमो सुरक्षा कवज" के तहत लोगों को 18 हजार हैलमेट निःशुल्क भेंट किये गये।**

करने और हैलमेट लगाकर बाइक चलाने की शपथ दिलाई। केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कार्यक्रम के दौरान वीडियो जारी कर कहा प्रधानमंत्री के दीर्घायु होने की कामना की और उनके जन्मदिवस पर हैलमेट वितरण करने का अच्छा कार्य करने के लिए सी.पी. जोशी को धन्यवाद दिया और युवाओं से हैलमेट पहनने और यातायात के नियमों का पालन करने की बात कही।

सरपंच सहित तीन लोग नाले में बहे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शनिवार को ही अपने घर से दूसरे घर जा रहा था कि रास्ते में काला नाले के उफान के चलते नाले में बहने से उसकी मौत हो गयी। अमर सिंह का शव भी बरामद कर लिया गया है। इसी तरह 40 वर्षीय कला पुत्र तानु निवासी लुनावाडा घरेलू सामान लेने निकला लेकिन वह पुलिया में बह गया। लोगों ने उसे बहते हुए भी देखा काफी खोजबीन के बाद भी पता नहीं चल पाया। इधर पुलिस उप अधीक्षक रुपसिंह राठौड ने तेज वर्षा के दौर एवं नदी-नालों के उफान को देखते हुए उनके आस-पास नहीं आने की अपील की है। राठौड ने कहा कि कईं जगह बिजली के तार और खंभे गिर चुके हैं अतः सुरक्षा की दृष्टि से घरों में रहें और स्वयं व परिवार का ध्यान रखें।

एसडीआरएफ टीम ने टापू पर फंसे बुजुर्ग रामसिंह पुत्र भूरा भील 58 वर्ष को लाईफ जैकेट पहनाकर मोटर बोट की सहायता से अनास नदी पार करवाकर सकुशल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। रविवार दोपहर लगभग तीन बजे पुलिस कंट्रोल रुम को जयपुर कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि जिले के थाना सज्जनगढ़ में अनास नदी में अचानक आये उफान से नदी के टापू पर कुछ ग्रामीण फंसे हुए है। रेस्क्यू टीम प्रभारी दयानंद जवानों की टीम एवं आपदा राहत उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचे जहां कुंभपुरा के समीप अनास नदी के टापू पर एक ग्रामीण के फंसे होने की जानकारी मिली।

जिले में तीन दिन से हो रही भारी बारिश के चलते डोकर गांव में पानी के भराव क्षेत्र में फंसे 146 लोगों को रेस्क्यू टीम ने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। रविवार को आनंदपुरी ब्लॉक के डोकर गांव में 146 लोगों को रेस्क्यू टीम ने नावों में बिठाकर बाहर निकाला तथा उन्हें सुरक्षित स्कूल में पहुंचाया। रेस्क्यू टीम में एसडीआरएफ, तहसीलदार, विकास अधिकारी व पुलिस टीम और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मिलकर रेस्क्यू किया। सभी लोग सुरक्षित हैं। डूंगरपुर जिले के सबसे बडे सोम कमला आंबा बांध के दो गेट भी 4-4 इंच खोले हुए हैं। दोनों गेट से पानी की भारी निकासी हो रही है। जिला कंट्रोल रूम के अनुसार पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा बारिश गलियाकोट में 116 एमएम, साढे 4 इंच रिकॉर्ड की गई है।

नाटो अब तक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोजित करेगा: स्टीडफ़ास्ट डिफेंडर। गठबंधन के 40,000 से अधिक सैनिक जर्मनी, पोलैंड और तीन बाल्टिक राज्यों में अभ्यास करेंगे।

बागीदौरा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुई। बागीदौरा में 365, बांसवाडा 223, घाटोल 196, शेरगढ़ 270, सल्लोपाट 272, कुशलगढ 182, दानपुर 200, केसरपुरा 252, गढ़ी में 110, जगपुरा 72, लोहारिया 54, अरथुना 83, सज्जनगढ में 272 मिमी. वर्षा मापी गई हैं। राजस्थान परिवहन की निगम की बस बांसवाडा-डूंगरपुर और बांसवाडा-रतलाम मार्ग चालू है। बेणेश्वर से बांसवाडा आने का मार्ग बंद है वहीं माही बांध जाने वाले मार्ग पर पुलिया टूट गई है। घाटोल से भूंगडा होकर माही बांध जाने वाला मार्ग भी बाधित है। शनिवार को वर्षा ने ऐसा कहर बरपाया कि कई सड़कों पर नदियां बहती नजर आयी तो लोगों के घरों में भी पानी घुस गया। हालांकि रविवार को रिमझिम और रुक-रुक कर हुई वर्षा ने लोगों को कुछ राहत दी। विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गयी। सिक्योर टीम लोगों को राहत देने के लिये पूरी मुस्तैदी से जुटी नजर आयी। लोग सिक्योर की सेवाओं को सराहते भी नजर आये।

पाकिस्तानी ड्रोन ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद पंजाब पुलिस के साथ एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान गांव राजोके जिला-तरनतारन के धान के खेत से एक पाकिस्तानी क्वाडकॉप्टर - डी.जे.आई. मविक 3 क्लासिक (चीन में निर्मित) ड्रोन बरामद किया गया।

इसके अलावा रविवार को ड्रोन द्वारा गिराए गए प्रतिबंधित वस्तुओं की खेप की उपस्थिति के बारे में विशेष जानकारी पर, बी.एस.एफ. और पंजाब पुलिस द्वारा गांव अमेशा, जिला तरनतारन के बाहरी इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था। तलाशी के दौरान, सैनिकों ने एक खेत से एक बड़े आकार का पैकेट बरामद किया, जिसमें लगभग 3.130 किलोग्राम हेरोइन थी। पैकेट पीले चिपकने वाले टेप में लपेटा हुआ था और एक लोहे के हुक से जुड़ा हुआ था।

इसी प्रकार आज तड़के लगभग 4.10 बजे, बी.एस.एफ. ने जिला फिरोजपुर के गांव गट्टी राजोके के पास संदिग्ध ड्रोन की गतिविधि को रोका। निर्धारित अभ्यास के अनुसार, बी.एस.एफ. जवानों ने तुरंत प्रतिक्रिया करते हुए ड्रोन को रोकने का प्रयास किया।

प्रवक्ता ने बताया कि पंजाब पुलिस के साथ एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। सुबह लगभग 6.35 बजे तलाशी के दौरान, सैनिकों ने गांव गट्टी राजोके के पास एक खेत से एक बड़े आकार का पैकेट बरामद किया, जिसमें हेरोइन लगभग ढाई किलो हेरोइन बरामद हुई। पैकेट के साथ एक लोहे का हुक जुड़ा हुआ था।

खड़गे ने कांग्रेस नेताओं को विवादित टिप्पणियों से दूर रहने का सख्त निर्देश दिया

सोनिया गांधी ने पार्टी नेताओं को आत्मसंयम बनाए रखने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने मीडिया के सामने ऐसी टिप्पणियों से बचने के लिए कहा, जो पार्टी के हित को नुकसान पहुंचा सकती हैं

- **मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी स्तर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं को लोगों से लगातार मिलने के लिए कहा। खड़गे ने पार्टी नेताओं से जनता की समस्याओं को सुनने के लिए कहा, क्योंकि पार्टी अगले साल चुनाव में राष्ट्रीय लड़ाई के लिए जमीन तैयार कर रही है।**

नई दिल्ली, 17 सितम्बर। कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) की बैठक में कांग्रेस ने अपने नेताओं को किसी भी प्रकार की विवादित भाषणबाजी से दूर रहने की सख्त सलाह दी है। सी.डब्ल्यू.सी. इस साल होने वाले 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव में पार्टी के पक्ष में जनादेश मिलने की उम्मीद जताई। इसे लेकर रविवार को कहा गया कि पार्टी आगे की लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है।

पार्टी की विस्तारित कार्य समिति की बैठक के बाद पारित प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि देश की जनता बदलाव चाहती है। कार्य समिति ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों पर भी जोर दिया है। प्रस्ताव में कहा गया, विश्वास है कि कांग्रेस को इस साल मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम, राजस्थान और तेलंगाना के लोगों से निर्णायक जनादेश मिलेगा।

हैदराबाद में सी.डब्ल्यू.सी. की बैठक के दूसरे दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी स्तर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं को लोगों से लगातार मिलने के लिए कहा। खड़गे ने पार्टी लीडर्स से जनता की समस्याओं को सुनने के लिए कहा, क्योंकि पार्टी अगले साल चुनाव में राष्ट्रीय लड़ाई के लिए जमीन तैयार कर रही है। खड़गे ने कहा, यह आराम करने का समय नहीं है। भाजपा के शासन में पिछले 10 वर्षों में आम लोगों की चुनौतियां कई गुना बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री ने गरीबों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं और युवाओं की चिंताओं पर बात करने से इनकार कर दिया है। वह खुद से परे नहीं देख पाते हैं।

सोनिया गांधी ने पार्टी नेताओं को आत्मसंयम बनाए रखने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने मीडिया के सामने ऐसी टिप्पणियों से बचने के लिए कहा, जो पार्टी के हित को नुकसान पहुंचा सकती हैं। मालूम हो कि कांग्रेस पहले ही उन पत्रकारों और मीडिया संगठनों की सूची जारी कर चुकी है, जिनके साथ पार्टी अब कोई बातचीत नहीं करेगी। वहीं खड़गे की ओर से कहा गया, हमें व्यक्तिगत हितों को किनारे रखना होगा और अथक परिश्रम के लिए तैयार रहना चाहिए। हमें पार्टी की सफलता को प्राथमिकता देनी होगी। केवल एकता और अनुशासन से ही हम विरोधियों को हरा सकते हैं। यह कर्नाटक में साबित हुआ, जहां हम एकजुट रहे और सफलता हासिल करने के लिए अनुशासन के साथ संघर्ष किया।

कांग्रेस ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और भारत राष्ट्र समिति की प्रदेश सरकार पर तेलंगाना के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। सी.डब्ल्यू.सी. की ओर से तेलंगाना की जनता के लिए जारी अपील में कहा गया कि पार्टी राज्य की जनता को 6 गारंटी देगी। कांग्रेस ने कहा, 2014 में तेलंगाना राज्य के गठन के साथ तेलंगाना के लोगों का संघर्ष रंग लाया। तेलंगाना के लोग एक बंगारू तेलंगाना (स्वर्णिम तेलंगाना) की आशा कर रहे थे। तेलंगाना के गठन के 9 साल बाद सी.डब्ल्यू.सी. को पीड़ा के साथ कहना पड़ रहा है कि स्वर्णिम तेलंगाना का वादा टूट गया है, दिल्ली और हैदराबाद दोनों सरकारों ने धोखा दिया है। जिस सपने के लिए लोगों ने तेलंगाना के लिए लड़ाई लड़ी वह सपना अधूरा रह गया है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908